



भारतीय दवा कंपनियों को अमेरिका से बड़ी राहत: चुनिंदा दवाओं पर नहीं लगेगा टैरिफ

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका ने भारत की चुनिंदा दवाओं और दवा बनाने वाली सामग्री को जीरो टैरिफ वाली सूची में शामिल किया है। इसमें ऑरफन ड्रग्स, फर्टिलिटी दवाएं, सेल और जिन थेरेपी जैसी दवाएं शामिल हैं। इस फैसले से भारतीय फार्मा कंपनियों राहत मिल सकती है।

भारत से अमेरिका भेजी जाने वाली कुछ खास दवाओं और दवा बनाने वाले कच्चे माल पर अब जीरो अमेरिकी टैरिफ लागू होगा। इससे अमेरिका को दवाएं सप्लाई करने वाले भारत के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिल सकती है।यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह लिस्ट तब जारी की है जब वाशिंगटन 29 सितंबर से कुछ पेटेन्टेड फार्मास्यूटिकल इंपोर्ट और उनसे जुड़ी सामग्री पर 100 टैरिफ लगाने की तैयारी कर रहा है। यह छूट भारत से भेजे जाने वाले हर फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट पर लागू नहीं होती है। यह अप्रैल में जारी राष्ट्रपति के आदेश में बताई गई खास दवाओं और सामग्री पर लागू होती है।योग्य प्रोडक्ट्स में ऑरफन ड्रग्स, न्यूक्लियर दवाएं, प्लाज्मा से बनी थेरेपी, फर्टिलिटी दवाएं, सेल थेरेपी, जिन थेरेपी और एंटीबॉडी-ड्रग कॉन्जुगेट्स शामिल हैं। इस लिस्ट में केमिकल, बायोलॉजिकल, रेडियोलॉजिकल और न्यूक्लियर खतरों से जुड़े मेडिकल काउंटरमेजर और जलवरों की सेहत से जुड़े कुछ प्रोडक्ट्स भी शामिल हैं।

सैसेक्स 1000 अंक टूटा, निफ्टी 23000 के नीचे

मुंबई, यशभारत। सोमवार को शुरुआती कारोबार में भारतीय शेयर बाजार में बड़ी गिरावट दर्ज की गई। प्रमुख सूचकांक सैसेक्स और निफ्टी बुरी तरह गिर। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं बाजार पर हावी रहीं। एशियाई बाजारों में कमजोर रुख ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। विदेशी पूंजी की निकासी ने भी शुरुआती कारोबार के दौरान निवेशकों के मनोबल को चोट पहुंचाई। 30 शेयरों वाला बीएसई सैसेक्स शुरुआती कारोबार में 730 अंक गिरकर 73,170.12 पर आ गया।

तमिलनाडु में स्कूल को मान्यता दिलाने में बड़ा फर्जीवाड़ा



चेन्नई, इएमएस पुलिस की केंद्रीय अपराध शाखा ने निजी स्कूल को मान्यता दिलाने में कथित फर्जीवाड़ा के मामले में फरार आरोपी मुथुकुमार के रिश्तेदारों से जुड़े चार स्थानों पर तलाशी ली। शनिवार को कल्लकुरिकी जिले में चलाए गए इस अभियान में मुथुकुमार के रिश्तेदारों सरवनन और रमेश के घरों के अलावा गोकुलकृष्णन के घर और दुकान पर तलाशी ली गई। अधिकारियों ने बताया कि इस कार्रवाई के दौरान बैंक से संबंधित रिकॉर्ड समेत 30 दस्तावेज जब्त किए गए। इस संबंध में जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मुथुकुमार चेन्नई के टी. नगर में र्लोबल 360 डिग्री नाम की फर्म चलाता था। आरोप है कि उसने तमिलनाडु स्कूल शिक्षा विभाग से सरकारी मान्यता दिलाने का झूठा वादा कर निजी स्कूल प्रबंधन से पैसे लिए। सीसीबी की जांच में सामने आया कि मुथुकुमार का रिश्तेदार सरवनन इन वित्तीय लेनदेन में उसका सहयोगी था। पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज कराई गई शिकायत के बाद सीसीबी ने मामला दर्ज किया। मामले में तीन आरोपियों – बी.टी. अरसाकुमार, सुरेश और राजा को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब तक जुटाए गए स्कूल शिक्षा मंत्री अनबिल महेश के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत भी कार्रवाई शुरू की गई है।

उज्जैन में सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का हिस्सा हटाया, तनाव के बीच पथराव, स्थिति नियंत्रण में



उज्जैन, एजेंसी। सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के तहत कंठाल चौराहे से गोपाल मंदिर तक सड़क चौड़ीकरण के लिए शाही मस्जिद का बाधक हिस्सा हटाने की कार्रवाई के दौरान सोमवार सुबह उज्जैन में तनाव की स्थिति बन गई। प्रशासन और मुस्लिम समाज के बीच सहमति के बाद समाज के लोग मस्जिद का सड़क सीमा में आ रहा हिस्सा हटाने पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोगों ने विरोध करते हुए पुलिस पर पथराव कर दिया। स्थिति नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े। पथराव में क्राइम ब्रांच की महिला थाना प्रभारी पुष्पा पांचाल घायल हो गईं



घायल टीआई

इधर, मुस्लिम समुदाय के लोग आगे रहकर प्रभावित हिस्से को हटाने में जुटे हुए हैं। मस्जिद की ओर कार्रवाई जारी है, जबकि पुलिस ने मौके पर मोर्चा संभाल रखा

है। मौके पर तनावपूर्ण स्थिति के बीच सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है।

स्थिति पूर्ण नियंत्रण में पैनिक न करें

घबराने और डरने की कोई जरूरत नहीं है पुलिस और प्रशासन की टीम हर विपरीत परिस्थितियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैनात है। मामूली घटनाओं को तूल नहीं देना चाहिए, पर्याप्त पुलिस बल मौजूद है।

उज्जैन पुलिस

मुस्लिम भी स्वेच्छा से हटा रहे अतिक्रमण

शहर काजी खलिकुर रहमान के अनुसार शाही मस्जिद तोड़े जाने को लेकर विशेष संप्रदाय के एक धड़े के लोग मस्जिद तोड़ने को राजी थे, जो कि मस्जिद तोड़ भी रहा है लेकिन दूसरी ओर इसी संप्रदाय के एक अन्य धड़े ने मस्जिद तोड़े जाने पर नाराजगी जताते हुए विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। टंकी चौक से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में सबसे पहले महिलाओं को शाही मस्जिद भेजने का प्रयास किया गया था, जिसे पुलिस टीम ने विफल कर दिया बाद में अंडा गली के पास के क्षेत्र से फिर से कुछ युवा अंदर आने का प्रयास करने लगे और विरोध भी शुरू हो गया लेकिन पुलिस ने इस पर जब सख्ती बरती तो शांति से चल रहा है या प्रदर्शन उग्र प्रदर्शन में तब्दील हो गया, जिसमें कुछ युवाओं ने शाही मस्जिद की ओर आने का प्रयास किया और पथराव करने लगे। जवाब में पुलिस ने भी आंसू गैस के गले छोड़कर पूरी स्थिति नियंत्रण में करने का प्रयास किया है।

ईशा ने 25 मी. पिस्टल स्पर्धा में जीता रजत, पिकी को कुराश में कांस्य

आइजी नागोया, एजेंसी। एशियाड खेल 2026 में महिलाओं की 25 मीटर पिस्टल स्पर्धा में हर्बियेक्तेज़ ड्राम के बाद ईशा सिंह ने रजत पदक जीत लिया है। सांस रोक देने वाले इस फाइनल में ईशा एक वक्त चौथे स्थान पर लड़क गई थीं। हालाँकि, इसके बाद ईशा ने जबरदस्त वापसी की और खौफ़ तीन में जगह बनाई। इसके बाद दूसरे और तीसरे स्थान की शूटों के बीच स्कोर बराबर रहा। दूसरे स्थान पर नॉर्थ कोरिया की किम झोन चुक 34 के स्कोर के साथ थीं। और तीसरे स्थान पर ईशा के भी 34 अंक थे। ऐसे में तीसरे स्थान के लिए ईशा और किम के बीच शूट ऑफ़ टाईब्रेकर हुआ। हर शूटऑफ़ में पांच शॉट्स मिलते हैं। पांच में सबसे ज्यादा बार सटीक निशाना लगाने वाली रिचव्हाली जीतती है। हालाँकि, दो शूटऑफ़ में दोनों के पांच-पांच में से तीन-तीन शॉट्स सटीक निशाने पर लगे। मुकाबला तीसरे शूटऑफ़ में गया और इरमो ईशा ने जीत हासिल की। उनके तीन शॉट्स सटीक निशाने पर लगे और किम के दो शॉट्स। किम को ब्रॉन्ज मेडल मिला। फिर गोल्ड के लिए ईशा का मुकाबला चीन की गिराउरडुआन गिराओ से हुआ। आखिरी शॉट के बाद स्कोर 38-38 से बराबर और फिर गोल्ड के लिए मुकाबला शूट ऑफ़ टाईब्रेकर में पहुंचा। पहले शूटऑफ़ में गिराओ और ईशा के बीच में से चार शॉट सटीक निशाने पर लगे और फिर एक और टाईब्रेकर खेला गया। इसमें गिराओ ने जीत हासिल की। उनके तीन शॉट्स सटीक निशाने पर लगे, जबकि ईशा के दो शॉट्स सटीक निशाने पर लगे। इस तरह ईशा स्वर्ण से चूक गईं। हालाँकि, कड़े मुकाबले के बाद उन्होंने रजत जीता, जिसपर उन्हें हर्ष होगा।



लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रातभर बवाल!

पुलिस से झड़प के बाद 10 दिनों के लिए बंद हुआ कैंपस

फगपाड़ा,इएमएस। पंजाब के स्थित लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी में रविवार रात एक बार फिर स्थिति बेहद तनावपूर्ण हो गई। कैंपस में एक छात्रा के साथ कथित रेप और आत्महत्या की अफवाह फैलने के बाद छात्रों का प्रदर्शन हिंसक रूप ले लिया। उग्र छात्रों और पुलिसकर्मियों के बीच हुई तीखी झड़प में कई पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और कई जवान घायल हुए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने अगले 10 दिनों के लिए यूनिवर्सिटी बंद कर दी है और मिड-टर्म परीक्षाओं को भी टाल दिया है। प्रदर्शनकारियों ने जालंधर-दिल्ली नेशनल हाइवे को ब्लॉक कर दिया था, जिसे दर रात पुलिस बल



फुटेज खंगाले जा रहे हैं और अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जा रही

निधि तिवारी की मौत के मामले में फोन कॉल और आखिरी सोशल मीडिया पोस्ट की जांच

सिंगरौली, एजेंसी। करीब 16 लाख फॉलोअर्स वाली सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर निधि तिवारी की मौत के मामले में पुलिस ने जांच तेज कर दी है। मोरवा थाना क्षेत्र के भूसा मोड़ निवासी 30 वर्षीय निधि की मौत के बाद अब घटना से पहले हुई फोन पर बातचीत और उनकी सोशल मीडिया गतिविधियों से जुड़े तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस ने मामले में मार्ग कायम कर सभी पहलुओं से जांच शुरू की है। ताजा जानकारी के मुताबिक, घटना के समय निधि फोन पर बंद आब युवक से बातचीत कर रही थीं। रिपोर्टों के अनुसार, बातचीत के दौरान किसी बात को लेकर विवाद हुआ और इसके बाद निधि ने खुद को कमरे में बंद कर लिया। फोन पर बात कर रहे युवक ने निधि को मां को सूचना दी, जिसके बाद परिजन कमरे तक पहुंचे। निधि को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।पुलिस अब इस फोन कॉल से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। कॉल रिकॉर्ड और बातचीत के उपलब्ध विवरण के आधार पर घटना से पहले की परिस्थितियों को समझने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने से पहले मौत के पीछे किसी एक कारण को जिम्मेदार ठहराना उचित नहीं होगा।



उत्तराखंड में बर्फबारी के बीच 136 पर्वतारोही फंसे बिहार में 82 हजार लोग प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में लगातार बारिश और बर्फबारी से हालात चुनौतीपूर्ण हो गए हैं। उत्तरकाशी जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में 136 पर्वतारोही, ट्रैकर और सहयोगी स्टाफ अलग-अलग स्थानों पर फंसे हैं। प्रशासन ने उन्हें सुरक्षित निकालने के लिए रेस्क्यू अभियान तेज कर दिया है। जिला प्रशासन के अनुसार सभी लोग सुरक्षित हैं और सैटेलाइट संचार के माध्यम से उनसे लगातार संपर्क किया जा रहा है। उत्तरकाशी में फंसे लोगों में हाई अल्टीट्यूड एक्सपीडिशन के 89 सदस्य, कालिंदी पास बेस कैंप के 18 और ऑडिन कोल पास बेस कैंप के 29 सदस्य शामिल हैं। खराब मौसम के कारण रेस्क्यू अभियान मौसम की स्थिति के अनुरूप संचालित किया जा रहा



कें समीप पहाड़ी से अचानक पथर और मलबा गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। नेपाल में हुई भारी बारिश के बाद बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ने से पश्चिम चंपारण और सुपौल में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार दोनों जिलों के 11 प्रखंडों की 23 ग्राम पंचायतों में करीब 82 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

राजस्थान के रास्ते पाकिस्तान की फिर नापाक साजिश ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी की कोशिश नाकाम



श्रीगंगानगर। राजस्थान के बॉर्डर एरिया से फिर पाकिस्तान की नापाक हरकत का खुलासा हुआ है। यहां अनुपगढ़ पुलिस , डीएसटी और बॉर्डर डीएसटी की संयुक्त टीम ने पाकिस्तान की ओर से ड्रोन के जरिए मादक पदार्थों की तस्करी की बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। पुलिस ने 5च रोही क्षेत्र में नहर के पास बाइक सवार दो तस्करोँ को गिरफ्तार किया है। तलाशी के दौरान दोनों आरोपियों के पास से 500 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद की गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त की गई हेरोइन की अनुमानित कीमत लगभग ढाई करोड़ रुपये बताई जा रही है। प्रारंभिक जांच के अनुसार, हेरोइन की यह खेप सीमा पार पाकिस्तान से ड्रोन की मदद से भारतीय सीमा में गिराई गई थी, जिसे दोनों आरोपी बाइक से ले जाने की फिराक में थे। पुलिस ने तस्करोँ के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और अब उनसे नेटवर्क व अन्य साथियों के बारे में गहन पूछताछ की जा रही है।

आज मध्य भारत में दिन-रात लगभग बराबर

भोपाल, एजेंसी। 28 सितंबर को मध्य भारत के कई हिस्सों में दिन और रात की अवधि लगभग बराबर दिखाई देगी। सूर्योदय से सूर्यास्त तक का समय करीब 12 घंटे रहने के कारण यह खगोलीय घटना विशेष मानी जा रही है। खास बात यह है कि यह स्थिति 23 सितंबर के इक्कीनॉक्स के कुछ दिन बाद बन रही है।



हिस्सों में दिन-रात की अवधि करीब बराबर होने लगती है। यह एक व्यापक खगोलीय घटना है, जबकि इक्कीलक्स किसी विशेष स्थान पर सूर्योदय से सूर्यास्त तक लगभग 12 घंटे का अंतराल बनने से जुड़ा है। इसी अंतर के कारण 23 सितंबर के इक्कीनॉक्स के बावजूद मध्य भारत के कुछ शहरों में 12 घंटे के दिन की स्थिति कुछ दिन बाद बनती है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार 28 सितंबर को इन क्षेत्रों में दिन की अवधि 12 घंटे से महज कुछ सेकंड कम या ज्यादा रहने वाली है।

एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया की समीक्षा तक रोक लगाने की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के 2 हजार से अधिक नागरिकों ने भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और सुप्रीम कोर्ट के अन्य न्यायाधीशों को पत्र लिखकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण पर न्यायिक हस्तक्षेप की मांग की है। पत्र में एसआईआर की वैधता और प्रक्रिया की समीक्षा पूरी होने तक इस पर रोक लगाने की मांग की गई है। पत्र लिखने वालों में शिक्षाविद, वकील, पत्रकार, और सेवानिवृत्त सैन्य अधिकारी शामिल हैं।

गाजा पट्टी में इजराइल की ताबड़तोड़ कार्रवाई उत्तरी और दक्षिणी इलाकों में दहशत, 4 की मौत

गाजा, एजेंसी। इजराइली ने एक बार फिर गाजा पर हमला किया है। एक अंतर्राष्ट्रीय मीडिया रिपोर्ट के अनुसार रविवार सुबह से गाजा पट्टी में इजराइली हमलों में कम से कम चार फिलिस्तीनी मारे गए और 12 अन्य घायल हो गए। ताजा मौत की पुष्टि करते हुए, एम्बुलेंस और इमरजेंसी सर्विस के एक अधिकारी ने बताया कि गाजा शहर के उत्तर में स्थित तवाम इलाके में इजराइली सेना ने कम से कम एक फिलिस्तीनी की गोली मारकर हत्या कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी गाजा में नासेर अस्पताल ने पुष्टि की कि खान यूनिस के बीच में इजराइली गोलीबारी में घायल हुए एक और फिलिस्तीनी की मौत हो गई। रिपोर्ट के मुताबिक, इससे पहले एक अलग घटना में, गाजा शहर के पश्चिमी हिस्से में एक गाड़ी को ड्रोन हमले में निशाना बनाया गया।



है। बागेश्वर में भी 43 पर्वतारोहियों को सुरक्षित स्थान पर रोका गया है। इस तरह उत्तराखंड में कुल 179 ट्रेकर्स और पर्वतारोही अलग-अलग स्थानों पर प्रभावित हुए हैं। केदारनाथ मार्ग पर पथर-मलबा गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत, 1500 यात्री सुरक्षित निकाले। केदारनाथ पैदल मार्ग पर चौरबासा के समीप पहाड़ी से अचानक पथर और मलबा गिरने से पांच वर्षीय बच्चे की मौत हो गई। नेपाल में हुई भारी बारिश के बाद बिहार की नदियों का जलस्तर बढ़ने से पश्चिम चंपारण और सुपौल में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। आपदा प्रबंधन विभाग के अनुसार दोनों जिलों के 11 प्रखंडों की 23 ग्राम पंचायतों में करीब 82 हजार लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

अफगानिस्तान-पाकिस्तान में फिर बढ़ रहा टकराव

काबुल बोला- 28 मार गिराए इस्लामाबाद ने खारिज किया

काबुल इस्लामाबाद, एजेंसी। अफगानिस्तान के रक्षा मंत्रालय ने बयान जारी करते हुए दावा किया कि पाकिस्तान की तरफ से घुसपैठ के बाद, अफगान सेना ने सीमावर्ती नूरिस्तान प्रांत में 28 चरमपंथियों को मार गिराया है। मंत्रालय का कहना है कि उन्हें च्याकिस्तानी मिलिशिया का समर्थन और बढ़ावाज् मिला हुआ था। नूरिस्तान प्रांत के कामदेश जिले के आस-पास, पाकिस्तानी मिलिशिया के समर्थन और बढ़ावा देने पर, आर्शाति फैलाने और असुरक्षा पैदा करने के मकसद से दाइश (छद्मह्वाङ) से जुड़े कई समूहों और उपद्रवी तत्वों को डूंगंड लाइन पार करके अफगान इलाके में भेजा गया।

28 को मारने का किया दावा- अफगानिस्तान ने कहा की दुश्मन की इस खतरनाक साजिश का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार, देश की सतर्क सुरक्षा और रक्षा बलों ने उनके खिलाफ तेजी से कार्रवाई शुरू की। अफगानिस्तान ने इस ऑपरेशन में 28 को मार गिराया, जबकि 32 को जिंदा पकड़ लिया है। कई अन्य लोग भी डूंगंड लाइन से पाकिस्तानी मिलिशिया के ठिकानों



की ओर भाग गए। इसके उलट पाकिस्तान की सेना ने दावा किया है कि उसके सैनिकों ने पिछले 96 घंटों में दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत में कई अभियानों के दौरान 71 से ज्यादा उग्रवादियों को मार गिराया है। हाल के हफ्तों में अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच तनाव काफी बढ़ गया है। सीमा पार झड़पों और पाकिस्तानी सेना द्वारा काबुल क्षेत्र पर किए गए हवाई हमलों ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच अपनी-अपनी सीमाओं पर आतंकवादी गतिविधियों को लेकर चल रहे विवाद को और बढ़ा दिया है। हालाँकि, पाकिस्तान के सूचना मंत्रालय ने अफगानिस्तान के दावों का खंडन किया है।

घड़ी मिला लीजिए, प्रकृति करेगी टाइम-मैनेजमेंट

व्यावहारिक रूप से दिन और रात लगभग बराबर हिस्सों में बंटे नजर आएंगे। सूर्योदय और सूर्यास्त का वास्तविक समय केवल सूर्य की स्थिति से तय नहीं होता। पृथ्वी का वायुमंडल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वायुमंडलीय अपवर्तन के कारण सूर्य क्षितिज पर अपनी वास्तविक ज्यामितीय स्थिति से थोड़ा ऊपर दिखाई देता है, जिससे सूर्योदय और सूर्यास्त के समय में अंतर आता है।

इसके अलावा सूर्य को दिखाई देने वाले पिंड के रूप में मापने की प्रक्रिया में भी उसकी डिस्क का आकार प्रभाव डालता है। इसी वजह से खगोलीय गणना में सूर्य की ज्यामितीय स्थिति और धरातल से दिखाई देने वाले सूर्योदय-सूर्यास्त के समय में थोड़ा अंतर रहता है। यही अंतर इक्कीनॉक्स और इक्कीलक्स की तारीखों में कुछ दिनों का फर्क पैदा कर सकता है। 28 सितंबर की यह स्थिति इस बात का उदाहरण है कि प्रकृति में दिन और रात का संतुलन खगोलीय गणनाओं के अनुरूप किस तरह बदलता है।



हड़ताल टलने से राहत बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज

नई दिल्ली, एजेंसी। 28 सितंबर से प्रस्तावित बैंक कर्मचारियों की तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल फैलहाल टाल दी गई है। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बीच हुई बैठक में लंबित मांगों पर चर्चा के बाद हड़ताल स्थगित करने पर सहमति बनी। इसके साथ ही बैंक शाखाओं में सामान्य कामकाज जारी रहा और ग्राहकों को हड़ताल के कारण होने वाली संभावित परेशानी से राहत मिली। यूएफबीयू के मुताबिक, आईबीए और कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधियों के बीच हुई बैठक में पांच दिवसीय बैंकिंग समाह सहित विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक के बाद आंदोलनात्मक कार्यक्रमों के स्थगित करने का निर्णय लिया गया। पहले प्रस्तावित हड़ताल के कारण सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और कुछ निजी बैंकों की शाखाओं में लेनदेन, नकद जमा-निकासी में बाधा पड़ी।

और अन्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित होने की आशंका थी। बैठक में सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने के मुद्दे पर आगे बातचीत के लिए आईबीए और यूएफबीयू की एक उच्चस्तरीय समिति तत्काल गठित करने का फैसला किया गया। यह समिति पांच दिवसीय बैंकिंग समाह से जुड़े सभी विकल्पों पर विचार करेगी। साथ ही विभिन्न हितधारकों से चर्चा कर ऐसा समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा, जिससे कर्मचारियों और बैंक ग्राहकों के हितों के बीच संतुलन बनाया जा सके। बैंक कर्मचारी संगठन लंबे समय से सभी शनिवार को अवकाश घोषित कर समाह में पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग कर रहे हैं। वर्तमान व्यवस्था में दूसरे और चौथे शनिवार को बैंक बंद रहते हैं, जबकि पहले और तीसरे शनिवार को शाखाओं में कामकाज होता है।

गड्डों में शहर की सड़के, अंधेरे में सफर

जनविश्वास के बीच जनता पूछ रही—क्या ऐसे बनेगा भरोसा?



हुआ। सवाल यह भी है कि यदि सड़क निर्माण और मरम्मत पर राशि खर्च हुई तो उसकी गुणवत्ता की निगरानी किसने की?

बारिश से पहले तैयारी क्यों नहीं?

जब हर साल बरसात होती है तो जल निकासी की व्यवस्था कोई अचानक सामने आने वाली समस्या नहीं है। फिर सड़क बनाते समय नालियाँ, क्रॉस ड्रेनेज और पानी की निकासी का पर्याप्त इंतजाम क्यों नहीं किया गया? फ्लाईओवर से गिरता पानी इसी सवाल को और गंभीर बनाता है। शिकायतों के बाद गड्डों में सिर्फ गिट्टी डालकर खानापूर्ति की जाती है तो वह स्थायी समाधान नहीं है। बिखरी गिट्टी खुद दोपहिया वाहन चालकों के लिए खतरा बन सकती है। मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के बीच अब जनता का सवाल सीधा है—सीवर के बाद सड़कें पूरी तरह क्यों नहीं सुधरीं? बारिश का पानी सड़क पर क्यों बह रहा है? फ्लाईओवर की जल निकासी क्यों नहीं सुधारी गई? स्ट्रीट लाइट बंद क्यों हैं? और इन सबके बावजूद जिम्मेदारी तय क्यों नहीं हो रही? जनविश्वास कार्यक्रम चल रहा है, लेकिन कटनी की सड़कों पर जनता रोज एक अलग सवाल लिख रही है—भरोसा भाषणों से बनेगा या सुरक्षित सड़कों से?



सीवर ने सड़कें खोदीं, अधूरे रेनोवेशन और बदहाल जल निकासी ने बढ़ाई मुसीबत

कटनी, यशभारत। मुख्यमंत्री जनविश्वास कार्यक्रम के बीच शहर की सड़कों की बदहाली सरकार और स्थानीय व्यवस्था के दावों पर सवाल खड़े कर रही है। जनता पूछ रही है—जब सरकार विश्वास जीतने का अभियान चला रही है, तो क्या सड़क पर सुरक्षित सफर भी उस विश्वास का हिस्सा नहीं होना चाहिए? चाका: मुख्य मार्ग पर जगह-जगह गड्डे हैं। बारिश के बाद इनकी गहराई और स्थिति रात में समझना मुश्किल हो जाती है। दोपहिया वाहन चालकों के लिए यहां सबसे ज्यादा खतरा बना हुआ है। पुरानी-कुटला: सड़क की हालत खराब है। कुटला थाना क्षेत्र से आगे चाका तक कई हिस्सों में गड्डे वाहन चालकों के लिए परेशानी बने हुए हैं। यहाँ इतने बड़े बड़े गड्डे हैं की हर रोज यहाँ दुपहिया तिपहिया वाहन पलट रहे हैं लोग लहलुहान हो रहे हैं। एक वाहन चालक ने गड्डे के कारण गाड़ी का

चाका से पीर बाबा तक मुख्य मार्ग पर जगह-जगह खतरा

सर्पेंशन खराब होने की बात कही। रचना नगर-बस स्टैंड: यातायात के लिहाज से महत्वपूर्ण इस हिस्से में सड़क की खराब सतह और जगह-जगह गड्डे परेशानी बढ़ा रहे हैं। रात में स्ट्रीट लाइट की समस्या इसे और जोखिमभरा बनाती है। शिवनगर मोड़-चाँदक पंप: सड़क पर टूट-फूट और गड्डों के कारण वाहनों को बच-बचकर निकलना पड़ रहा है। सवाल है कि मुख्य मार्ग होने के बावजूद इसकी मरम्मत स्थायी तरीके से क्यों नहीं की गई? ओवरब्रिज: यहाँ समस्या सिर्फ सड़क की नहीं, बल्कि जल निकासी की भी है। बारिश के दौरान फ्लाईओवर से पानी मुख्य सड़क पर गिरता है। नागरिकों का सवाल है कि निर्माण के समय पानी की निकासी के लिए पाइप या समुचित व्यवस्था क्यों नहीं की गई? डन कॉलोनी-आस्था प्लाजा: सड़क की बदहाली के साथ बारिश का पानी और गड्डे वाहन चालकों की परेशानी बढ़ाते हैं। सीवर लाइन के काम के बाद सड़क की पूरी तरह बहाली नहीं होने के आरोप भी सामने

आ रहे हैं। कटायेघाट मोड़: मोड़ पर सड़क की स्थिति और बारिश के बाद बढ़ने वाला जलभराव हादसे का जोखिम बढ़ाता है। यहाँ वाहन चालकों को विशेष सावधानी से निकलना पड़ता है। माधवनगर गेट: शहर के प्रमुख प्रवेश मार्गों में शामिल इस हिस्से में भी सड़क की स्थिति पर सवाल है। नागरिक पूछ रहे हैं कि मुख्य मार्गों की मरम्मत और रखरखाव के लिए जिम्मेदार एजेंसियाँ आखिर कब सक्रिय होंगी? कलेक्ट्रेट से पीर बाबा तक: आगे भी सड़क की स्थिति कोई राहत नहीं देती। जगह-जगह गड्डे और सड़क की टूट-फूट पूरे मुख्य मार्ग की तस्वीर सामने रख देती है।

सीवर के बाद सड़कें अधूरी क्यों?

नागरिकों का आरोप है कि सीवर लाइन बिछाने के दौरान सड़कों को खोवा गया, लेकिन उसके बाद कई स्थानों पर सड़क का पूर्ण और गुणवत्तापूर्ण रेनोवेशन नहीं

प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्तों का जमावड़ा

त्योहारी भीड़ के बीच प्लेटफॉर्म 3 से 6 तक आवारा कुत्तों की मौजूदगी

गंदगी-बदबू और वैडिंग व्यवस्था पर सवाल; निगरानी के दावों के बीच जवाबदेही किसकी?

कटनी, यशभारत। त्योहारों में यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रेलवे मुख्य स्टेशन पर सुरक्षा बढ़ाने और चप्पे-चप्पे पर निगरानी का दावा कर रहा है। दूसरी ओर, प्लेटफॉर्मों की जमीनी तस्वीर यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर रही है। प्लेटफॉर्म 3, 4, 5 और 6 पर आवारा कुत्तों की मौजूदगी से यात्रियों को असुविधा के साथ सुरक्षा की चिंता भी बनी हुई है।

स्टेशन के कुछ हिस्सों में गंदगी और दुर्गंध की शिकायतें हैं। त्योहारी भीड़ के बीच सफाई और अन्य बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को



लेकर भी यात्रियों की नाराजगी सामने आ रही है। वैडिंग व्यवस्था की निगरानी को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

रेलवे स्टाफ सिक्योरिटी की टीम के जरिए प्रमुख स्थानों पर निगरानी की बात कर रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि जब प्लेटफॉर्म पर आवारा कुत्तों की समस्या नजर आ रही है, तो सुरक्षा और सफाई व्यवस्था की निगरानी आखिर किस स्तर पर हो रही है? शिकायतों के समाधान और व्यवस्थाओं में सुधार की जिम्मेदारी किसकी है, यह भी स्पष्ट होना चाहिए।

त्योहारी सीजन में सुरक्षा केवल निगरानी टीम की तैनाती तक सीमित नहीं रह सकती। स्वच्छ प्लेटफॉर्म, आवारा कुत्तों से सुरक्षित परिसर, नियंत्रित वैडिंग और यात्रियों के लिए बेहतर बुनियादी सुविधाएं भी रेलवे की जिम्मेदारी का हिस्सा हैं। अब सवाल दावे का नहीं, इन व्यवस्थाओं पर कार्रवाई और जवाबदेही का है।

वृद्ध आश्रम में स्वास्थ्य शिविर 40 बुजुर्गों की जांच

मोतियाबिंद पीड़ितों के निःशुल्क ऑपरेशन की घोषणा, दवा और फल-टॉवेल भी बांटे

कटनी, यशभारत। लायंस क्लब ऑफ कटनी रॉयल द्वारा रविवार को श्रीकृष्ण वृद्ध आश्रम में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में 40 बुजुर्गों की बीपी, शुगर, आंख, त्वचा और दांतों की जांच की गई। जरूरत के अनुसार दवाएं देने के साथ फल और टॉवेल भी वितरित किए गए। नेत्र जांच के दौरान कुछ बुजुर्गों में मोतियाबिंद के लक्षण मिले। नेत्र विशेषज्ञ डॉ. रमित राज त्रिवेदी ने संबंधित बुजुर्गों के निःशुल्क ऑपरेशन कराने की घोषणा की। चर्म रोग विशेषज्ञ डॉ. कनिका अग्रवाल और दंत रोग विशेषज्ञ डॉ. अदिति चौहान ने भी सेवाएं दीं। आश्रम की ओर से पं. नीरज देवप्रभाकर शास्त्री ने क्लब एवं चिकित्सकों का आभार जताया। क्लब अध्यक्ष साधना अग्रवाल सहित पदाधिकारियों और सदस्यों ने शिविर में सहयोग किया।



संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में सांप की अफवाह से मचा हड़कंप

कटनी-दमोह के बीच सर्च ऑपरेशन के बाद रवाना हुई ट्रेन



दमोह स्टेशन पर बीन बजाकर की गई सांप की तलाश

कटनी, यशभारत। जबलपुर से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही मध्य प्रदेश संपर्क क्रांति एक्सप्रेस के एसी (बी3) कोच में उस वक्त अफरा-तफरी मच गई, जब कटनी से दमोह स्टेशन के बीच यात्रा के दौरान एक यात्री ने कोच में सांप देखे जाने का दावा किया। ट्रेन के दमोह स्टेशन पहुंचने से पहले ही कटनी-दमोह रेल खंड के बीच सांप दिखने की सूचना स्टेशन मास्टर को दे दी गई थी। जैसे ही ट्रेन रात करीब 10 बजे दमोह रेलवे स्टेशन पहुंची, रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) और रेल कर्मचारी तुरंत हड़कत में आ गए। स्थिति को देखते हुए सांप को पकड़ने के लिए सपेरों को भी स्टेशन पर बुलाया गया। प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर ट्रेन के रुकते ही सपेरों ने बीन बजाई और सुरक्षा बलों के साथ मिलकर पूरे बी3 कोच में गहन तलाशी अभियान चलाया। करीब एक घंटे तक चले इस सर्च ऑपरेशन के बावजूद कोच में कोई सांप नहीं मिला।

1 घंटे लेट हुई ट्रेन, यात्रियों ने ली राहत की सांस

सांप न मिलने और सुरक्षा की पूरी तसल्ली होने के बाद रात करीब 11 बजे ट्रेन को आगे सागर की ओर रवाना किया गया। इस दौरान यात्रियों को लाभ एक घंटे तक परेशानी का सामना करना पड़ा और ट्रेन भी अपने निर्धारित समय से एक घंटा देरी से चली। कोच के पूरी तरह सुरक्षित होने का भरोसा मिलने के बाद ही यात्रियों ने राहत की सांस ली।

मप्र में हाईवे का नया कानून लागू, वाहन चालकों की जेब पर बढ़ेगा बोझ

स्टेट हाईवे पर अब यूजर फीस

कटनी, यशभारत। स्टेट हाईवे के विकास, रखरखाव और संचालन के लिए नया कानूनी ढांचा लागू हो गया है। राज्य सरकार अब स्टेट हाईवे या उसके किसी हिस्से के उपयोग से मिलने वाली सेवाओं और सुविधाओं के बदले यूजर फीस लगा सकेगी। शुल्क की दर और वसूली की प्रक्रिया नियमों के जरिए तय होगी। इसके साथ ही सरकार हाईवे के विकास और रखरखाव के लिए किसी व्यक्ति या संस्था के साथ समझौता भी कर सकेगी। इसके तहत संबंधित निजी संस्था को तय शर्तों के अनुसार शुल्क वसूलने और उसे अपने पास रखने का अधिकार भी दिया जा सकेगा। यह प्रावधान मप्र राजमार्ग (संशोधन) अधिनियम 2026 में किया गया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद यह तत्काल प्रभावी हो चुका है।

संशोधन में मूल मप्र राजमार्ग अधिनियम, 2004 की प्रस्तावना में भी बदलाव किया है। इसमें राजमार्गों से अतिक्रमण रोकने और हटाने के साथ यूजर फीस लगाने का प्रावधान जोड़ा गया है। वहीं सड़क सुरक्षा तथा सड़क परिवहन के सभी साधनों की अधिकतम दक्षता सुनिश्चित करने वाली सुविधाओं को भी कानून के दायरे में शामिल किया गया है। यूजर फीस से हाईवे के विकास और रखरखाव के लिए



अतिरिक्त संसाधन आसानी से जुटाए जा सकेंगे। विकास और रखरखाव के लिए निजी संस्थाओं के साथ करार होने से पूंजी और तकनीकी विशेषज्ञता का इस्तेमाल भी संभव होगा। अतिरिक्त शुल्क से मिलने वाले संसाधनों का उपयोग सड़क की गुणवत्ता, संचालन, सुरक्षा और संबंधित सुविधाओं में किया जा सकता है। करार में निर्माण, रखरखाव, प्रबंधन और संचालन की शर्तें स्पष्ट की जा सकेंगी। यूजर फीस से नियमित यात्रियों और मालवाहक वाहनों की यात्रा लागत बढ़ सकती है।

Reg. No. - 23101

श्री हॉस्पिटल एंजुक्शनल एंड स्पॉट्स एवं सोययटी द्वारा संचालित

प्रवेश प्रारंभ 2026-27

श्री हॉस्पिटल, एम.एम. चौबे वाई, एन.एच. 7, बरगांव रोड, कटनी (म.प्र.)

8962262200
9752414319
9425325316



भोपाल आंदोलन में शामिल हुए कांग्रेस जन निर्वाचन आयोग कार्यालय घेराव में शामिल हुए कांग्रेसजन

मतदाता सूची और स्टूक प्रक्रिया को लेकर उठाए सवाल

कटनी, यशभारत। मतदाता अधिकारों और निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता के मुद्दे को लेकर आज सोमवार को भोपाल में आयोजित कांग्रेस के प्रदेशव्यापी प्रदर्शन में कटनी से बड़ी संख्या में कांग्रेसजन

शामिल हुए। कार्यकर्ता रविवार रात भोपाल रवाना हुए थे। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के नेतृत्व में हुए प्रदर्शन में मतदाता सूची, नए मतदाताओं के पंजीयन, सभाहद-6 और स्टूकप्रक्रिया से जुड़े मुद्दे उठाए गए। कांग्रेस ने निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की।

कटनी से संगठन महासचिव डॉ. संजय कामले, शहर कांग्रेस अध्यक्ष एडवोकेट अमित शुक्ला, जिला प्रभारी मनु मिश्रा, मुड़वारा विधानसभा प्रभारी राजेश चौबे सहित ब्लॉक, मंडलम, प्रकोटों और मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी व बड़ी संख्या में कार्यकर्ता प्रदर्शन में शामिल हुए।

एम. जी. एम. स्कूल/कॉलेज ऑफ नर्सिंग कटनी (म.प्र.)

प्रवेश प्रारंभ 2026-27 हेतु

वी.एससी. नर्सिंग 4 वर्ष डिग्री कोर्स (HNC डिग्री के अनुसार)

जी.एन.एम. नर्सिंग 3 वर्ष डिग्री कोर्स (AMNHC कक्षा प्रथम)

7771001902

www.mgmcollegeofnursing.in

त्योहारों पर रेलवे ने दी ट्रेनों की सौगात

रीवा से इंदौर के बीच कटनी होकर चलेंगी 12 फेस्टीवल स्पेशल ट्रेनें



कटनी, यशभारत। दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ महापर्व के दौरान ट्रेनों में बढ़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों को राहत देने के लिए रीवा और डॉ अंबेडकर नगर इंदौर के बीच 12 फेरी की स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। यह ट्रेन कटनी जंक्शन से होकर गुजरेगी। त्योहारी सीजन में घर जाने वाले यात्रियों की बढ़ती मांग को देखते हुए स्पेशल ट्रेन के संचालन से विंध्य, महाकौशल और मालवा क्षेत्र के यात्रियों को अतिरिक्त रेल सुविधा मिलने की उम्मीद है। जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 01710 रीवा से डॉ अंबेडकर नगर के लिए 10 अक्टूबर से 14 नवंबर तक प्रत्येक शनिवार को संचालित होगी। ट्रेन रीवा से रात 10.50 बजे खाना होगी और अगले दिन दोपहर 3.05 बजे डॉ अंबेडकर नगर पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 01709 डॉ अंबेडकर नगर से रीवा के लिए 11 अक्टूबर से 15 नवंबर तक प्रत्येक रविवार को चलेगी। यह ट्रेन रात 9.20 बजे डॉ अंबेडकर नगर से खाना

होकर अगले दिन दोपहर 2.30 बजे रीवा पहुंचेगी। दोनों दिशाओं में स्पेशल ट्रेन का ठहराव सतना, मेहर, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, गाडरवारा, पिपरिया, इटारसी, नर्मदापुरम, रानी कमलापति, संत हिरदयाराम नगर, सीहोर, शुजालपुर, मक्सी, देवास और इंदौर सहित प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा। त्योहारी सीजन में इस अतिरिक्त ट्रेन सेवा से यात्रियों को नियमित ट्रेनों में बढ़ती भीड़ के बीच वैकल्पिक यात्रा सुविधा मिलने की उम्मीद है। विशेष रूप से कटनी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को रीवा से इंदौर के बीच सीधी रेल कनेक्टिविटी का लाभ मिलेगा।

पितृपक्ष : जबलपुर से गया के बीच स्पेशल ट्रेन

पितृपक्ष के दौरान गया में श्रद्धालुओं एवं यात्रियों की बढ़ती आवाजाही को देखते हुए रेल प्रशासन ने जबलपुर गया पितृपक्ष स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। गाड़ी संख्या



01701/01702 का संचालन तीन ट्रिप में किया जाएगा। इस ट्रेन से कटनी सहित मार्ग के विभिन्न स्टेशनों के यात्रियों को भी आवागमन की सुविधा मिलेगी। जानकारी के मुताबिक गाड़ी संख्या 01702 गया जबलपुर एक्सप्रेस स्पेशल 28 सितंबर, 3 अक्टूबर और 8 अक्टूबर को गया से दोपहर 3.30 बजे खाना होगी। ट्रेन कटनी होते हुए अगले दिन सुबह 8.10 बजे जबलपुर पहुंचेगी। कटनी स्टेशन पर ट्रेन का निर्धारित ठहराव सुबह 5.25 से 5.30 बजे तक रहेगा।

तीन ट्रिप में होगा संचालन

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 01701 जबलपुर गया एक्सप्रेस स्पेशल 29 सितंबर, 4 अक्टूबर और 9 अक्टूबर को जबलपुर से रात 9.25 बजे खाना होगी। यह ट्रेन कटनी होते हुए अगले दिन दोपहर 2.30 बजे गया पहुंचेगी। कटनी स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव रात 12.10 से 12.15 बजे तक रहेगा। स्पेशल ट्रेन में 24 कोच लगाए जाएंगे। इनमें 4 सामान्य श्रेणी, 12 शयन्यान श्रेणी, 4 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 2 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी और 2 प्लप्लआरडी कोच शामिल हैं।

भोपाल स्टेशन पर अब नहीं रुकेगी सोमनाथ एक्सप्रेस

पश्चिम मध्य रेलवे ने यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दो महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव में बदलाव किया है। 26 सितंबर से जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव भोपाल स्टेशन के बजाय निशातपुरा स्टेशन पर होगा। रेलवे के अनुसार दोनों दिशाओं में चलने वाली इन ट्रेन का संचालन संत हिरदयाराम नगर निशातपुरा कॉर्ड लाइन के माध्यम से किया जाएगा। इसके चलते ट्रेन को भोपाल स्टेशन से बायपास किया जाएगा। पश्चिम मध्य रेलवे के अनुसार ट्रेन नंबर 11465/11466 जबलपुर देरावल सोमनाथ एक्सप्रेस का ठहराव अब निशातपुरा स्टेशन पर निर्धारित किया गया है। रेलवे का कहना है कि इस बदलाव के बाद यात्रियों को निशातपुरा स्टेशन से इन ट्रेनों की सुविधा उपलब्ध होगी। यात्रियों को यात्रा से पहले ट्रेन के निर्धारित ठहराव और समय की जानकारी रेलवे के अधिकृत माध्यम से जांचने की सलाह दी गई है।

तालाब में मगरमच्छ का किया रेस्क्यू

कटनी, यशभारत। ढीमरखेड़ा तहसील क्षेत्र के बरहटा गांव में स्कूल के पास स्थित तालाब में मगरमच्छ फंस गया। इसके बाद उसे मगरमच्छ दिखाई देने से ग्रामीणों और स्कूली बच्चों में दहशत का माहौल बन गया था। सूचना मिलने पर वन विकास निगम कुंडम परियोजना की टीम ने जबलपुर से रेस्क्यू टीम बुलाकर मगरमच्छ को सुरक्षित पकड़वाया। इसके बाद ग्रामीणों और बच्चों ने राहत की सांस ली। वन विकास निगम कुंडम परियोजना के रेंजर जुनैद हुसैन ने बताया कि ग्रामीणों की सूचना पर जबलपुर से विशेषज्ञ रेस्क्यू टीम को बुलाया गया था। टीम ने तालाब में पिंजरा लगाया जिसमें मगरमच्छ फंस गया। इसके बाद उसे सुरक्षित बाहर निकालकर हिरण नदी में छोड़ दिया गया। रेंजर ने बताया कि तहसील क्षेत्र के अलग-अलग गांवों में मगरमच्छ दिखाई देने की सूचनाएं मिलने पर विभाग लगातार निगरानी और रेस्क्यू की व्यवस्था कर रहा है। स्कूल के पास मगरमच्छ मिलने से बच्चों की सुरक्षा को लेकर ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई थी लेकिन समय रहते रेस्क्यू होने से बड़ा खतरा टल गया।

इलाज के दौरान महिला की मौत

कटनी, यशभारत। बिलहरी पुलिस चौकी के अंतर्गत ग्राम अडिया में एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। महिला को गंभीर हालत में परिजन जिला अस्पताल लेकर पहुंचे थे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार चुनौती बाई यादव 50 वर्ष पति हेतराम यादव की तबीयत बिगड़ने पर परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई की और बाद में परिजनों को सौंप दिया। मौत के कारणों की जांच के लिए पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

दीनदयाल उपाध्याय ने की एकात्म मानववाद की कल्पना

जन अभियान परिषद ने किया संगोष्ठी का आयोजन

कटनी, यशभारत। पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती के उपलक्ष्य में मग्न जन अभियान परिषद विकासखंड कटनी द्वारा विकासखंड स्तरीय संगोष्ठी का आयोजन शासकीय उच्च शिक्षा माध्यमगार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ग्रामीण आजीविका मिशन के सहायक प्रबंधक राम सुजान द्विवेदी, विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य नंदलाल कोरी, पूर्व सैनिक रामजी मिश्रा, सरपंच संघ के उपाध्यक्ष संतोष निषाद ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन, एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र ने कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रस्तुत करते हुए बताया कि परिषद द्वारा प्रदेश में महापुरुषों का संदेश जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से इस प्रकार के आयोजन किए जाते हैं। इसी श्रृंखला में यह आयोजन किया गया है। पूर्व सैनिक रामजी मिश्रा ने पंडित दीनदयाल



उपाध्याय के जीवन से जुड़े हुए विषयों पर विस्तार से जानकारी दी। एनआरएनएम के सहायक प्रबंधक रामसुजान द्विवेदी ने बताया पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचार वर्तमान परिस्थितियों में प्रासंगिक हैं, जिस कारण से प्रदेश सरकार द्वारा भी समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास की योजनाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विशिष्ट अतिथि जनपद सदस्य नंदलाल गोरी और संतोष निषाद ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम का

संचालन और आभार विकासखंड समन्वयक बालमुकुंद मिश्र ने किया। कार्यक्रम में नवाकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि हीरामणि हल्दकार, राजू यादव, रामानुज पांडेय, भारती बर्मन, रोहनी कुशवाहा, विजय कुशवाहा, ब्रजबंशधर मिश्रा, अभिषेक मिश्रा, छद्मलाल राय, मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम के अंतर्गत अध्ययन छात्राओं की विशेष उपस्थिति रही।

सीसी सड़क निर्माण राहगीरों के लिए आफत

सीसी के ऊपर फिर सीसी निर्माण, दिनभर लग रहा जाम

पर्वी, यशभारत। नगर में डिवाइडेड सड़क की मांग के बीच सीसी सड़क के ऊपर चल रहा सीसी निर्माण कार्य अब आम नागरिकों और राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बन गया है। निर्माण कार्य के चलते सड़क पर यातायात प्रभावित हो रहा है और दिनभर में कई बार जाम की स्थिति निर्मित होने से लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि कुछ दूरी तय करने में भी राहगीरों को काफी समय लग रहा है। नगरवासियों का कहना है कि जिस सड़क पर पहले से सीसी निर्माण हो चुका है। उसी के ऊपर दोबारा सीसी निर्माण करने के बजाय यहां यातायात की बढ़ती समस्या को देखते हुए डिवाइडेड सड़क का निर्माण किया जाना चाहिए।

युवक से मारपीट

कटनी, यशभारत। कोतवाली थाना क्षेत्र के सराय मोहल्ला में चाय दुकान के पास एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार सराय मोहल्ला निवासी आकाश मलिक के साथ संतु नामक युवक ने मारपीट कर उसे घायल कर दिया। आरोप है कि मारपीट के बाद आरोपी ने युवक को जान से मारने की धमकी भी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।



नगर में डिवाइडेड सड़क की मांग को लेकर पूर्व में आमजन और व्यापारियों द्वारा ज्ञापन भी दिए जा चुके हैं। इसके बावजूद डिवाइडेड सड़क की मांग पर विचार किए बिना सीसी निर्माण कार्य शुरू होने से लोगों में नाराजगी है। निर्माण कार्य के दौरान सड़क का बड़ा हिस्सा प्रभावित होने से वाहनों की आवाजाही

सीमित हो गई है। एक ओर निर्माण सामग्री और कार्यरत मशीनरी के कारण रास्ता संकरा हो जाता है, वहीं दूसरी ओर वाहनों का दबाव बढ़ने से बार-बार जाम लग रहा है। जाम के कारण स्थानीय दुकानदारों, दोपहिया वाहन चालकों पैदल राहगीरों और जरूरी काम से निकलने वाले लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर में लगातार बढ़ते यातायात को देखते हुए भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर सड़क का निर्माण होना चाहिए। लोगों ने सवाल उठाया कि जब डिवाइडेड सड़क की मांग लंबे समय से की जा रही है तो पहले से बनी सीसी सड़क के ऊपर दोबारा सीसी निर्माण करने से समस्या का स्थायी समाधान कैसे होगा। नागरिकों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से निर्माण कार्य की उपयोगिता पर पुनर्विचार करते हुए यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखकर सड़क निर्माण कराने की मांग की है।

कार्यालय अधीक्षक नेताजी सुभाषचंद्र बोस, केन्द्रीय जेल, जबलपुर (म.प्र.)

जिला जेल कटनी, मण्डला, डिण्डोरी, सब जेल पाटन एवं सिहोरा में स्थापित सी.सी.टी.वी. सिस्टम की ए.एम.सी. वर्ष-2026-27

—: प्रथम वार्षिक ई-निविदा सूचना :-

पंजीकृत एवं प्रतिष्ठित फर्मों से जबलपुर सर्फिल जेल के अंतर्गत आने वाली जेलों-जिला जेल कटनी, मण्डला, डिण्डोरी, सब जेल पाटन एवं सिहोरा में स्थापित सी.सी.टी.वी. सर्विलेंस सिस्टम के रख-रखाव तथा मरम्मत की सेवाएँ उपलब्ध करवाने हेतु ए0एम0सी0 के लिये ई-निविदा वेबसाईट <https://mptenders.gov.in> पर आमंत्रित की जाती है :-

क्र.	कार्यक्रम का विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
01	प्री बिड मीटिंग	दिनांक 06/10/2026 को, समय प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल जबलपुर
02	ऑनलाइन फॉर्म जमा करने की अन्तिम तिथि, निविदा फार्म की कीमत ठेके की लागत 5 लाख तक रु. 500 एवं 5 लाख से अधिक रु=1000/- प्रति फार्म राशि ऑनलाइन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तिमां में जमा किया जावेगा।	दिनांक 19/10/2026 को, सायं 05:30 बजे तक	https://mptenders.gov.in
03	तकनीकी निविदा खोले जाने की तिथि	दिनांक 22/10/2026 को, प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल जबलपुर
04	वित्तीय निविदा खोले जाने की तिथि	दिनांक 27/10/2026 को, प्रातः 11:00 बजे	कार्यालय अधीक्षक, केन्द्रीय जेल जबलपुर

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी वेबसाईट <https://mptenders.gov.in> पर भी प्राप्त की जा सकती है। निविदा फार्म दर्शित वेबसाईट पर ऑनलाइन पेमेन्ट कर कय किया जा सकता है।

G-19173

जेल अधीक्षक
नेता जी सुभाषचंद्र बोस, केन्द्रीय जेल, जबलपुर

4 महीने का फिंगरप्रिंट लेकर दो माह का दिया राशन

ग्रामीणों ने राशन दुकान के सेल्समैन पर लगाए आरोप कलेक्टर से शिकायत, कार्रवाई की मांग

कटनी, यशभारत। जनपद पंचायत ढीमरखेड़ा के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिचुआ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत राशन वितरण को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि राशन दुकान में करीब 600 राशन कार्डधारकों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न नहीं मिल पा रहा है। ग्रामीणों ने राशन दुकान के सेल्समैन पर राशन वितरण में अनियमितता किए जाने के आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों ने कहा कि कई राशन कार्डधारकों से ई-पास मशीन पर 4 माह के राशन के लिए फिंगरप्रिंट



लगवाए जाते हैं, लेकिन उन्हें कथित तौर पर केवल दो माह का खाद्यान्न ही दिया जाता है। ग्रामीणों के अनुसार यह स्थिति किसी एक दो कार्डधारकों तक सीमित नहीं है, बल्कि लंबे समय से कई उपभोक्ताओं को इस परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि यदि ई-पास मशीन में संबंधित कार्डधारक के नाम पर कई महीनों का राशन

दर्ज हो रहा है तो उसके अनुसार खाद्यान्न का वास्तविक वितरण क्यों नहीं किया जा रहा है। उनका कहना है कि पूरे मामले की जांच ई पास मशीन के रिकॉर्ड और राशन दुकान के स्टॉक रजिस्टर के मिलान से की जा सकती है। ग्रामीणों के मुताबिक ग्राम पंचायत बिचुआ के अंतर्गत करीब पांच गांवों के उपभोक्ता राशन दुकान से खाद्यान्न प्राप्त करते हैं। आरोप

है कि इनमें से कुछ गांवों के लोगों को राशन वितरण में लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि राशन मांगने पर कई बार खाद्यान्न उपलब्ध नहीं होने या ऊपर से राशन नहीं आने की बात कही जाती है। इस स्थिति को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। उनका कहना है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को निर्धारित मात्रा में खाद्यान्न उपलब्ध कराना है, इसलिए वितरण व्यवस्था में सारदर्शिता बेहद जरूरी है। शिकायत करने पर नाम काटने की धमकी कुछ ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि राशन वितरण में कमी को लेकर सवाल करने या शिकायत करने पर उन्हें राशन कार्ड से नाम काटने की धमकी दी जाती है। ग्रामीणों के अनुसार इस कारण कई उपभोक्ता अपनी शिकायत खुलकर सामने रखने से भी डरते हैं।

DLG CINEMAS
माधवनगर गेट के पास, कटनी (म.प्र.) फोन 07622-299299
FROM 26 SEPTEMBER 2026

VIVAAN
1:45, 4:30 PM
7:15, 10:00 PM

HANUMAN ANSH
3:30, 6:30 PM
9:30 PM

BOOKING OPEN NOW KINDLY VISIT [bookmyshow](https://bookmyshow.com)
बुकिंग के लिये संपर्क करें Ph. 07622-473999

JOIN US : [f](#) [i](#) [t](#) [t](#)
सिटी प्राइड सिनेमा में
[bookmyshow](#) [paytm](#)

SHRI RAMAYAN KATHA
25 सितम्बर से रोजाना 1 शो
AUDI-1 03:45PM

PARADISE
25 सितम्बर से रोजाना 2 शो
AUDI-2 04:00PM | AUDI-1 01:00PM

HANUMAN ANSH
25 सितम्बर से रोजाना 3 शो
AUDI-1 10:15AM | AUDI-2 01:15PM | AUDI-1 07:00PM

VIVAAN
25 सितम्बर से रोजाना 4 शो
AUDI-2 10:45AM | AUDI-1 01:15PM | AUDI-2 07:30PM | AUDI-1 10:15PM

CB HEALTH CARE
commitment to best patient care

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह बागरी
एमडी जनरल मेडिसिन
Ex_senior Resident, cardiology

- ECG एवं PFT (Spirometry) की सुविधा
- 2D ECHO व कलर डॉपलर ईको कार्डियोग्राफी
- हृदय रोग संबंधी सभी प्रकार की समस्याएँ (हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर)
- की.पी., डायबिटीज(शुगर) थायरॉइड एवं स्वास संबंधित सभी समस्याएँ
- जोड़ों में दर्द गठिया वाल से संबंधित सभी समस्याएँ।
- जनरल मेडिसिन से सम्बंधित समस्याओं के उपचार हेतु।

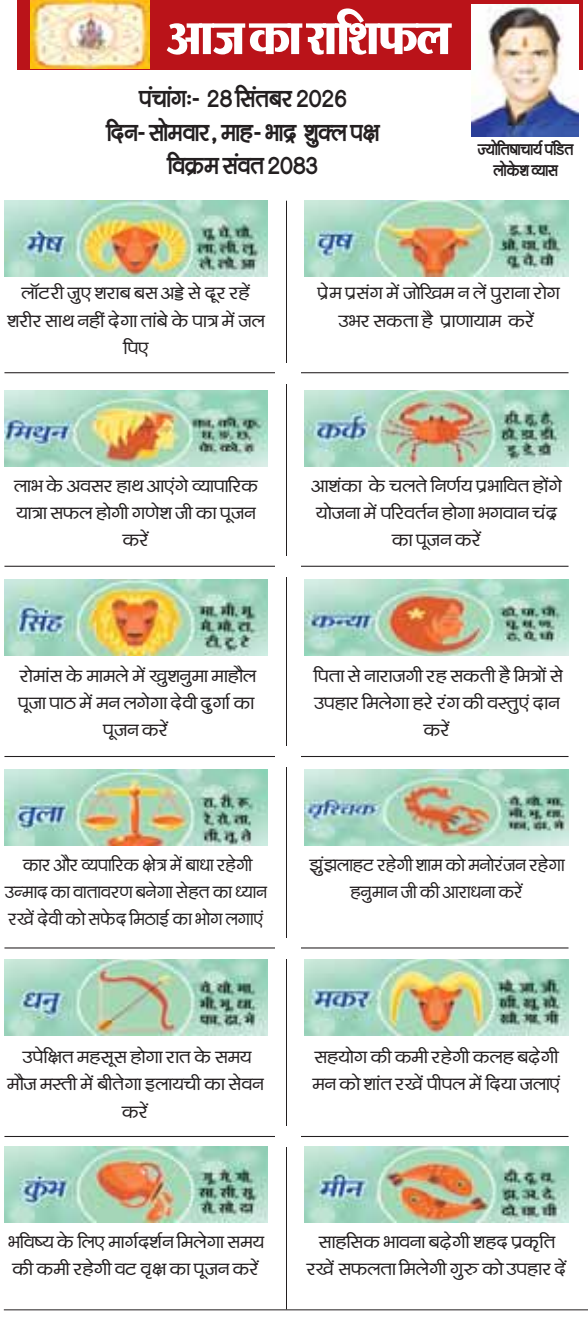
समय : सुबह 10 से 2 बजे तक, सायं 5.30 से 8 बजे तक (रविवार वकीनिक बंद रहेगा)
डन कॉलोनी मोड़, बस स्टॉप मेन रोड, बरगवां, कटनी

Reg.No.- MP25236
+91 8602054967
+91 8602915994
drbaagari@cbhealthcare.in

संपादकीय

सड़क विकास की कीमत कौन चुकाएगा?

यूजर प्रदर्शन में राजमार्गों के विकास, रखरखाव और संचालन के लिए यूजर फीस का कानूनी प्रावधान लागू होना सड़क अधोसंरचना के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव है। विधानसभा में पारित संशोधन के बाद राज्य सरकार को राज्य राजमार्गों अथवा उनके किसी हिस्से के उपयोग से मिलने वाली सेवाओं और सुविधाओं के बदले शुल्क लगाने तथा निजी संस्थाओं के साथ समझौते के माध्यम से सड़क विकास और रखरखाव कराने का वैधानिक आधार मिला है। सरकार की दृष्टि से देखें तो इसके पीछे तर्क स्पष्ट है—राजमार्गों के निर्माण और रखरखाव के लिए लगातार बड़े संसाधनों की आवश्यकता होती है। यूजर फीस से प्राप्त राशि को सड़क की गुणवत्ता, सुरक्षा, मरम्मत और सुविधाओं पर खर्च किया जा सकता है। निजी निवेश के रास्ते खुलने से उपरियोजनाओं को भी गति मिलने की संभावना है, जिनके लिए केवल सरकारी बजट पर निर्भर रहना कठिन होता है, लेकिन तत्परीक दूसरा पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सड़क पर चलने वाला वाहन चालक पहले ही ईंधन, बीमा, टैक्स, परमिट और अन्य खर्च वहन करता है। ऐसे में हर नए शुल्क का सीधा असर उसकी जेब पर पड़ता है। विशेष रूप से राजना आवगमन करने वाले कमर्शियल, छोटे कारोबारियों, किसानों, स्थानीय परिवहन और मालवाहक वाहनों के लिए अतिरिक्त शुल्क आर्थिक बोझ बढ़ा सकता है। सबसे बड़ा सवाल यूजर फीस की दर और उसके निर्धारण की पारदर्शिता का है। कानून सरकार को दरें निर्धारित करने का अधिकार देता है, इसलिए यह जरूरी होगा कि शुल्क तय करते समय सड़क की वास्तविक लागत, उसकी गुणवत्ता, वैकल्पिक मार्ग और स्थानीय लोगों की आर्थिक स्थिति जैसे पहलुओं को ध्यान में रखा जाए। केवल यह तर्क पर्याप्त नहीं हो सकता कि सड़क बनी है इसलिए शुल्क देना ही होगा। निजी निवेश का रास्ता खुलना भी अवसर और चुनौती दोनों हैं। निजी एजेंसी को सड़क निर्माण, रखरखाव और संचालन की जिम्मेदारी देने पर सरकार को यह सुनिश्चित करना होगा कि निवेश की वसूली के साथ जनता को गुणवत्तापूर्ण सड़क भी मिले। अनुबंध की शर्तों, रखरखाव के मानक, शुल्क वसूली, शिकायत निवारण और सेवा की गुणवत्ता की निगरानी मजबूत होनी चाहिए। यहां एक और महत्वपूर्ण प्रश्न है—क्या हर राज्य राजमार्ग टोल योग्य होगा चाहिए? इसका उत्तर सड़क—दर—सड़क तय होना चाहिए। जहाँ बेहतर सड़क, पर्याप्त यातायात, वास्तविक उपयोगकर्ता सुविधा और स्पष्ट वैकल्पिक व्यवस्था है, वहाँ यूजर फीस का मॉडल अलग तरह से काम कर सकता है। लेकिन ऐसे मार्ग जहाँ स्थानीय लोगों के पास कोई व्यवहारिक विकल्प नहीं है, वहाँ शुल्क लगाने से पहले सामाजिक और आर्थिक प्रभाव का आकलन आवश्यक है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर भी 2026 में यूजर फीस और उसके अनुपालन को लेकर नियमों में बदलाव हुए हैं, जिससे स्पष्ट है कि देश में सड़क अधिकाधिक विकास भुगतान और डिजिटल टोलिंग की व्यवस्था लगातार उपयोग व्यवस्थित की जा रही है। मध्य प्रदेश के लिए असली कसौटी यही होगी कि यूजर फीस केवल राजस्व जुटाने का माध्यम बनती है या वास्तव में बेहतर सड़क और बेहतर यातायात व्यवस्था का साधन। यदि वाहन चालक शुल्क देता है तो बदले में उसे गड़गड़ाने, सड़क सुरक्षा यातायात, उचित संकेतक, प्रकाश व्यवस्था, अपातकालीन सहायता और नियमित रखरखाव की मिलाता चाहिए। सड़क विकास के लिए पैसा जरूरी है, लेकिन जनता का विश्वास उससे भी ज्यादा जरूरी है। यूजर फीस तभी स्वीकार्य व्यवस्था बन सकती है, जब शुल्क की दर पारदर्शी हो, पैसा सड़क पर दिखाई दे और निजी निवेश के बावजूद सार्वजनिक हित सर्वोच्च बना रहे। अधिकार राजमार्ग केवल सरकार या किसी निजी संस्था की संपत्ति नहीं, बल्कि जनता के आवगमन और आर्थिक गतिविधियों की जीवनरेखा हैं।



विचार प्रवाह

देह चली गई, स्वर रह गया – लता होने का अर्थ यही है

प्रसंगवश - 28 सितंबर: लता मंगेशकर जयंती

कुछ आवाजें सुनी नहीं जाती—वे भीतर कहीं घटित होती हैं। वे कानों की देहरी लोचकर स्मृतियों में उतरती हैं और फिर समय बीतने के साथ धुँधली होने के बजाय और उजली होती जाती हैं। लता मंगेशकर का स्वर ऐसी ही विलक्षण अनुभूति था। उन्होंने सुरों को केवल गाया नहीं, उन्हें भारतीय मन की धड़कन बना दिया। 28 सितंबर 1929 को इंदौर के एक साधारण मराठी परिवार में जन्मी हेमा को पिता पंडित दिनानाथ मंगेशकर ने 'लता' नाम दिया (पिता के नाटक भावबंधन की पात्र लतिका के नाम पर)। तब यह एक बच्ची का नाम था; आगे चलकर यही नाम भारतीय संगीत की सबसे उजली पहचान बन गया। पाँच वर्ष की उम्र में पिता के नाटकों से शुरु हुआ अभिनय धीरे-धीरे संगीत की ऐसी साधना में बदल गया, जिसने अंततः एक पूरे युग की ध्वनि रच दी।

जिस उम्र में सपने आकार लेते हैं, उसी उम्र में लता के कंधों पर परिवार की जिम्मेदारी आ गई। 1942 में तेरह वर्ष की उम्र में पिता का निधन हुआ। लता की चिंता थी, भविष्य अनिश्चित था और संर्षण उम्र से सपना बड़ा। रोटी में परिस्थितियों के आगे झुकने के बजाय अपनी आवाज़ को सहारा बनाया। मराठी फिल्म 'किती हसाल' (1942) में उनका पहला गीत रिकार्ड हुआ (हालाँकि बाद में फिल्म के फ़ाइनल कट से हटा दिया गया), लेकिन हिंदी सिनेमा की राह आसान नहीं थी। नूरजहाँ की ओर शायदाब बेगम जैसी दमदार आवाज़ों के बीच उनकी कोमल आवाज़ को 'पतली' कहकर नकार दिया गया। उन्होंने जवाब बहस से नहीं, रियाज से दिया। 1948 की फिल्म मजबूर में गुलाम हैदर द्वारा दिए गए गीत 'दिल मेरा तोड़ा' में भी उन्हें महत्वपूर्ण पहचान मिली। फिर 1949 में 'महल' का 'आपणा आनेवाला' आया और उसी आवाज़ ने हिंदी पार्श्वगायन की दिशा बदल दी।

एक ही आवाज प्रेम, विरह और प्रार्थना—तीनों को अपना रूप दे सके, तो उसकी वाक्यता समझी जा सकती है। लता का स्वर किसी एक भाव को तब तक सीमित नहीं था। 'रंग जा गले' में प्रेम, 'तेरे बिना ज़िंदगी दो' में रिश्तों की कसक और 'आजा रे परदेसी' में विरह की तड़प थी। 'ज्योति कलश छलके' और 'ओ पालनहार' में वहीं स्वर भक्ति बन गया। वे केवल गीत नहीं गाती थीं, उसके भाव को स्वर देती थीं। 1962 के केली युद्ध के बाद, 26 जनवरी 1963 को गणतंत्र दिवस के कार्यक्रम-

विश्व हृदय दिवस 29 सितंबर 2026

हृदय केवल शरीर का एक अंग नहीं, जीवन की धड़कन है। जब तक दिल धड़कता है, तब तक जीवन में उम्मीद, संवेदना, प्रेम और करम की संभावनाएँ बनी रहती हैं। लेकिन विवेचना यह है कि आधुनिक सभ्यता ने जीवन को सुविधाजनक तो बनाया है, पर स्वस्थ और संतुलित बनाने में हम पीछे छूटते जा रहे हैं। हमारी तेज प्रगति प्रगति जिनकी, तनाव, अनियमित दिनचर्या, खान-पान की बदलती आदतें, शारीरिक निष्क्रियता और निरंतर बढ़ती मानसिक बेचैनी हृदय पर ऐसा दबाव डाल रही है, जिसका परिणाम हृदय रोगों के बढ़ते खतरे के रूप में सामने आ रहा है।

वर्ष 29 सितंबर को विश्व हृदय दिवस मनाया जाता है। विश्व हृदय महामंडल के अनुसार हृदय एक रक्तवाहिका संबंधी रोग दुनिया में मृत्यु का सबसे बड़ा कारण है और प्रतिवर्ष लगभग दो करोड़ लोगों की मृत्यु इन रोगों से होती है। वर्ष 2026 के विश्व हृदय दिवस का संदेश है - 'हृदय रोग की बीमारी को दिखाना नहीं देता, इसलिए उसके संकेतों को नजरअंदाज न करना चाहिए।

मैंने अपने पूर्व के आलेख 'भारतीय दिल खतरे में' और हृदय स्वास्थ्य से जुड़े अन्य लेखों में बार-बार इस चिंता को व्यक्त किया है कि भारतीय समाज में बदलती जीवनशैली हमारे प्राणिके लिए गंभीर चुनौती बनती जा रही है। आज यह चिंता और अधिक प्रासंगिक हो गई है। हमारे आसपास ऐसे अनेक युवा दिखाई देते हैं जो कम उम्र में ही उच्च रक्तचाप, मोटापा, मधुमेह, कोलेस्ट्रॉल और हृदय संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं। प्रश्न केवल यह नहीं कि हृदय रोग क्यों बढ़ रहे हैं, प्रश्न यह भी है कि हमने अपनी जीवनशैली को हृदय के विरुद्ध क्यों बना दिया है।

आज सुविधा ने श्रम को कम कर दिया है। घंटों बैठकर काम करना, मोबाइल और कंप्यूटर पर लगातार सक्रिय रहना, पैदल चलने की आदत को काम होना, दूर रात तक जागना और सुबह की प्राकृतिक लय से आगे होना शरीर की जैविक व्यवस्था को प्रभावित करता है। दूसरी ओर स्वाद और सुविधा के नाम पर अत्यधिक नमक, चीनी, वसा और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी अस्वास्थ्यकर आहार, शारीरिक निष्क्रियता, तंबाकू, मोटापा, उच्च रक्तचाप, बढ़ी हुई शर्करा और रक्त में विरुद्ध रोग के प्रमुख जोड़िम कारकों में गिनता है।

लेकिन हृदय का संकट केवल भोजन और व्यायाम का संकट नहीं है। यह मन का संकट भी है। तनाव, प्रतिस्पर्धा, असंतोष, क्रोध, ईर्ष्या, चिंता और हर समय आगे निकलने की बेचैनी व्यक्ति के भीतर निरंतर मानसिक दबाव

भारत चल पड़ा है नई औद्योगिक क्रांति के पथ पर

भारत में आज एक नई औद्योगिक क्रांति प्रारम्भ हो चुकी है, यह विचार अमेरिका की एक जानी मानी निवेश बैंक - जेफ्रीज़ ने व्यक्त करने हैं। भारत में, विशेष रूप से डाटा केंद्र स्थापित करने के उद्देश्य से करोड़ों अमेरिकी डॉलर का निवेश होता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने पर केंद्र सरकार की ओर से टैक्स में भारी भ्रूक्षम छूट भी प्रदान की जा रही है। अतः भारत में डाटा केंद्र स्थापित करने की तो जैसे होड़ सी मच गई है। पिछले 5 वर्षों के दौरान भारत में डाटा केंद्रों की क्षमता दोगुनी हो चुकी है एवं आगे आने वाले 5 वर्षों के दौरान यह क्षमता बढ़कर 10 त्रुद्ध हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। वैश्विक स्तर पर डाटा केंद्र अब एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में उभर रहा है। सांथ ही, भारत में सेमीकंडक्टर उत्पादन इकाइयों को उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजना के अर्गत लाभ प्रदान किया जा रहा है, इसके लिए 1,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निर्धारित की गई है। इसका परिणाम यह है कि सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में विनिर्माण इकाइयों की स्थापना हेतु भारत में 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया जा चुका है, और यह आगे भी जारी है।

[illegible]

में 'ए मेरे वतन के लोगों' ने राष्ट्रीय भावना को आवाज दी। जवाहरलाल नेहरू की आँखें नम हुईं और पूरा देश भावुक हो उठा। उस क्षण लता केवल गायिका नहीं रहीं; उनकी आवाज राष्ट्र की साझा संवेदना बन गई।

लता की महानता केवल उनकी आवाज़ में नहीं, उस आवाज़ के पीछे की साधना में थी। वे स्टूडियो समय से पहले पहुँचतीं, गीत के हर शब्द को समझतीं और उस गाने से पहले भीतर उतारती थीं। उनके लिए सफ़र तकनीक नहीं, साधना था। वे स्टूडियो को मदद मानती थीं और अक्सर नंगे पाँव गीत रिकॉर्ड करती थीं। नौशाद, मंदार मोहन, शंकर-जयकिशन और आर.डी. बर्मन जैसे संगीतकारों के साथ उनका रिश्ता केवल काम तक सीमित नहीं रहा; उनकी रचनात्मकता एक-दूसरे का विस्तार बनी। छत्तीस से अधिक भाषाओं में तीस हज़ार से अधिक गीतों का सफ़र भारतीय संगीत पर उनकी अमिट छाप है। हिंदी सिनेमा को व्यापक पहचान देने के साथ उन्होंने क्षेत्रीय भाषाओं में भी अपनी गहरी उपस्थिति दर्ज की, जिसकी गूँज आज भी सुनाई देती है।

कुछ दीवारें आवाज से नहीं, लगातार मौजूदगी से गिरती हैं। लता ने भी यही किया। जिस दौर में महिला कलाकारों के लिए सीमाएँ तय थीं, उन्होंने बिना शोर उन सीमाओं को पार किया। उनकी कोमल आवाज ने बता दिया कि ताकत ऊँचा बोलने में नहीं, असर छोड़ने में होती है।

पेदा करती है। भौतिक उपलब्धियां बढ़ती जाती हैं, लेकिन मानसिक शांति घटती जाती है। हमने मकानों को बड़ा किया, लेकिन मन को छोटा कर लिया; साधन बढ़ाए, लेकिन संतोष कम कर दिया। यही आधुनिक जीवन की सबसे बड़ी विडंबना है।

इष्टावृत्ति हृदय की चिकित्सा केवल अस्पताल में नहीं, जीवनशैली में भी खोजनी होगी। सुबह की सैर, नियमित व्यायाम, योग, प्राणायाम, ध्यान, सामान्य नींद, संतुलित भोजन और नरेश से पूर्ण दूरी हृदय की सुरक्षा के पर्याप्त लेकिन अत्यंत प्रभावी उपाय हैं। भोजन में प्राकृतिक एवं पौष्टिक पदार्थों, फल-सब्जियों और साबुत अनाज को स्थान देना तथा अत्यधिक नमक, चीनी और संतृप्त वसा को सीमित करना जरूरी है। निश्च स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जीवनशैली में ऐसे बदलाव तथा उच्च रक्तचाप, मधुमेह और रक्त में बढ़े वसा का समय रहते उपचार हृदयाघात और स्ट्रोक के जोखिम को कम कर सकता है।

सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है-समय रहते जांच। हृदय रोग कई बार अचानक सामने आता हुआ दिखाई देता है, जबकि उसके जोखिम कारक वर्षों से शरीर में विकसित हो रहे होते हैं। रक्तचाप, रक्तशर्करा, कोलेस्ट्रॉल, वजन और चिकित्सकीय सलाह के अनुरार अन्तर्गत जांचों को आप जोखिम के अनुरूप नियमित रूप से कराना चाहिए। सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, असामान्य पसीना, चक्कर या दर्द का हाथ, कंधे, पीठ अथवा जबड़े तक जाना जैसे संकेतों को सामान्य थकान मानकर टालना खतरनाक हो सकता है। हृदयाघात में समय अत्यंत महत्वपूर्ण होता है; शीघ्र चिकित्सा सहायता जीवन बचाने में निर्णायक हो सकती है।

यहाँ चिकित्सा विज्ञान के सामने भी एक बड़ी जिम्मेदारी है। आज जब हृदय रोग समाज के इतने बड़े हिस्से को प्रभावित कर रहे हैं, तब हमें और अधिक सुलभ, सस्ती, शीघ्र पहचान करने वाली और प्रभावी स्वास्थ्य-तकनीकों की आवश्यकता है। यही जाँच-पड़ताल विधियाँ विकसित हों जो प्रारंभिक अवस्था में हृदय संबंधी जोखिमों की पहचान कर सकें। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल स्वास्थ्य, दूरस्थ चिकित्सा, पहनने योग्य स्वास्थ्य उपकरणों और आधुनिक निदान तकनीकों का उपयोग आम नागरिक तक पहुँचाना चाहिए। चिकित्सा अनुसंधान का लक्ष्य केवल जटिल हृदय रोग का उपचार करना नहीं, बल्कि रोग पैदा होने से पहले उसके खतरों को पहचानना भी होना चाहिए।

सरकारों को भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। हृदय स्वास्थ्य को केवल अस्पतालों और विशेषज्ञ चिकित्सकों तक सीमित नहीं रखा जा सकता। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को मजबूत बनाकर रक्तचाप, मधुमेह और हृदय जोखिम की नियमित जांच को व्यापक बनाया जाना चाहिए। स्कूलों और

एवं चेन्नई में वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना की है। आरटीआईशेणीयल इंटीलजेंस के क्षेत्र में कार्य करने वाली बोस्टन की एक कम्पनी ने फरवरी 2026 में हैदराबाद में विशाल स्तर पर अपने एक अंतरराष्ट्रीय कार्यालय की स्थापना की है। बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई एवं पुणे में आज 1,700 से अधिक वैश्विक योग्यता केंद्र स्थापित किए जा चुके हैं, इन केंद्रों में 19 लाख से अधिक कर्मचारियों कार्यरत हैं। भारत आज आउटसोर्सिंग के सबसे आगे बढ़कर उच्च स्तरीय टैलेंट के केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। भारत में स्थापित किए गए कुल वैश्विक योग्यता केंद्रों में से लगभग 65 प्रतिशत केंद्र अमेरिकी कम्पनियों द्वारा स्थापित किए गए हैं। इन कम्पनियों द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में की जा रही रीसर्च का कार्य इन केंद्रों पर सम्पन्न हो रहा है। एच.टी.एन.एल.जी के क्षेत्र में नए नए उत्पादों का निर्माण भी इन्हीं केंद्रों में किया जा रहा है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में कार्य कर रही अमेरिकी की ही एक कम्पनी टूबिज इन-से भी फरवरी 2026 में मुंबई में वैश्विक योग्यता केंद्र की स्थापना की है, इस केंद्र को आगे आने वाले समय में और अधिक विस्तार दिया जाने वाला है। इसी प्रकार, बीमा, बैंकिंग, स्वास्थ्य, साइबर-सिक्युरिटी, फार्मा एवं सुरक्षा के क्षेत्रों में कार्यरत अन्य कम्पनियाँ भारत में अपने वैश्विक योग्यता केंद्रों की स्थापना कर रही हैं। पूर्व में, अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों को भारत से बेन डेन हो रहा था, परंतु अब परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं एवं अब विशेष रूप से अमेरिका से भारत को रिवर्स बैन डेन होने लगा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन की नीतियों के चलते अन्य देशों से

योगों के लिए वे प्रेरणा बनीं कि कठिन परिस्थितियों में विश्रम्भ रास्ता बना सकते हैं। अपार सम्मान और वैभव उनकी सादगी बनी रही। वे कहती थीं, 'मेरा सबसे बड़ा गाना का प्यार है।' पद्म भूषण (1969), पद्म विभूषण (1974) दादा साहेब फाल्के पुरस्कार (1989), भारत रत्न (1991) का लीजन ऑफ ऑनर (2009) उन्हें मिले, पहचान इन सम्मानों से कहीं बड़ी रही।

कुछ विदाइयाँ केवल एक व्यक्ति को दूर करती हैं, कुछ पूरे युग की धड़कन थाम देती हैं। 6 फरवरी 2022 को लता मंगेशकर के निधन पर ऐसा ही लगा, जैसे भारतीय संगीत की एक अनुपम धारा रुक गई हो। लेकिन महान स्वर मयूरी के साथ समाप्त नहीं होते, वे स्मृतियाँ में जीवित रहते हैं। आज भी कभी कभी पुराने गीत की पहली पंक्ति सुनते ही उनकी आवाज भीतर उतर जाती है—कभी माँ की ममता बनकर, कभी माँदिर की घंटी—सी पवित्रता लेकर, तो कभी राग की गहराई बनकर। देह चली गई, लेकिन स्वर आज भी घरों, रेडियो और दिलों में जीवित है। पीढ़ियाँ बदलेंगी, समय आगे बढ़ेगा, मगर लता की आवाज हर दौर में लौटती रहेगी। शायद अमरता यही है—देह का चले जाना और स्वर का रह जाना।

लता मंगेशकर की जयंती उनके विराट योगदान को याद करने का अवसर है—उस स्वर्ण-साम्राज्य का, जिसका कोई सिंहासन नहीं था, फिर भी करोड़ों दिलों पर उसका राज था। उनका जीवन बताता है कि कलाकार केवल उल्लिखियों से बड़ा नहीं होता; वह तब मानक बनता है, जब उसकी साधना और प्रतिभा समय की कसौटी पर खरी उतरती है। उन्होंने गायन को सुर-ताल से आगे भावों की ऐसी भाषा दी, जिसे पीढ़ियों ने अपने जीवन में महसूस किया। कठोर रियाज, अनुशासन और सादगी उनकी साधना की पहचान रहे। हजारों गीतों में भारतीय जीवन के अनगिनत रंग समाए और पार्श्वगायन को नई ऊँचाई मिली। संगीत के रूप बदलेंगे, सुनने के ढंग बदलेंगे, लेकिन लता मंगेशकर का योगदान भारतीय संगीत की बुनियाद में दर्ज रहेगा। उन्होंने केवल गीत नहीं गाए; उन्होंने भारतीय मन को गुनगुनाने की एक स्थायी भाषा दे दी।

कृति आरके जैन

कलेजों में शारीरिक गतिविधि एवं पौष्टिक भोजन को प्रोत्साहन मिले। शहरों में पैदल चलने और साइकिल चलाने के सुरक्षित मार्ग बनें। तंबाकू, नशियंत्रण, स्वस्थ खाद्य विकल्पों को बढ़ावा, अल्कोहलिक नमक एवं अस्वास्थ्यकर वसा को कम करने के प्रयास और वायु प्रदूषण पर नियंत्रण को हृदय स्वास्थ्य की व्यापक नीति का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी जनस्वास्थ्य नीतियों, प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं और जोखिम कारकों के नियंत्रण को हृदय रोगों की रोकथाम का महत्वपूर्ण आधार मानता है।

इसके साथ ही सरकारों को 'हार्ट हेल्थ इंडिया अभियान' जैसे व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रमों पर विचार करना चाहिए, जिसमें गांव से महानगर तक नि:शुल्क या सस्ती हदय-कला, रक्तचाप एवं मधुमेह स्क्रीनिंग, जीवनशैली परामर्श, आपातकालीन हृदय उपचार की जानकारी की पुनर्वास सेवाओं को जोड़ा जा सके। कंपनियों और संस्थानों में भी कार्यक्रमों के लिए 'हेल्दी हार्ट' कार्यक्रम चलाए जा सकते हैं। सामाजिक संस्थान, विद्यालय, धार्मिक संगठन और मीडिया मिलकर इसे जन-आंदोलन का रूप दे सकते हैं।

दरअसल, हृदय की रक्षा केवल डॉक्टर की जिम्मेदारी नहीं, पूरे समाज की जिम्मेदारी है। परिवार अपने भोजन और दिनचर्या को बदल सकता है, विद्यालय बच्चों में स्वस्थ आदतें विकसित कर सकते हैं, कार्यालय शारीरिक सक्रियता के अवसर दे सकते हैं और सरकार ऐसी नीतियाँ बना सकती है जो स्वस्थ विकल्पों को आसान एवं सस्ता बनाएँ।

विश्व हृदय दिवस केवल एक दिन की औपचारिक जागरूकता का अवसर नहीं है। यह हमें अपने जीवन की दिशा पर पुनर्विचार करने का अवसर देता है। बड़े सह समझना होगा कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए किसी चमत्कार की प्रतीक्षा नहीं करनी है; छोटे-छोटे सही निर्णय ही बड़े परिणाम देते हैं। आज आधा घंटा चलना, आज भोजन में संयम रखना, आज तनाव को कम करना, आज धूपसन को छोड़ना, आज अपनी जांच कराना—ये छोटे कदम कल किसी बड़े संकट को रोक सकते हैं।

हृदय को धड़कन हमें हर क्षण एक संदेश देती है—जीवन अनमोल है, इस असंतुलित जीवनशैली के हवाले मत करो। आधुनिकता अपनाएँ, लेकिन प्रकृति से संबंध न तोड़ें; सुविधाएँ लें, लेकिन श्रम को जीवन से बाहर न करें; सफलता पाएँ, लेकिन स्वास्थ्य की कीमत पर नहीं।

विश्व हृदय दिवस पर संकल्प यही हो—दिल को केवल धड़कने नहीं, स्वस्थ, शांत और प्रसन्न रहने दें। क्योंकि स्वस्थ हृदय ही स्वस्थ व्यक्ति, स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज की आधारशिला है।

ललित गर्ग

मवेशियों की मौत पर निगम की सफाई, निगरानी पर उठे सवाल

कटनी, यशभारत। अमीरगंज गौशाला में मवेशियों की मौत और बढ़ाहली से जुड़े वायरल वीडियो के बाद नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे हैं। वीडियो में कई मवेशी मृत अथवा बेहद कमजोर हालत में दिखाई देने के बाद निगम ने सफाई दी है, लेकिन इस सफाई के साथ ही उपचार, निगरानी और जिम्मेदारी से जुड़े कई सवाल सामने आ गए हैं। निगम का कहना है कि मृत मवेशी गौशाला में नियमित रूप से रखे जाने वाले पशु नहीं, बल्कि शहर के अलग-अलग हिस्सों से रेस्क्यू किए गए गंभीर रूप से बीमार और निराश्रित पशु थे। उपचार के प्रयासों के बावजूद उनकी मौत हुई। ऐसे में सवाल है कि इन पशुओं की हालत की नियमित निगरानी कैसे हुई, उनका उपचार कब-कब किया गया और कितने पशुओं को रेस्क्यू करने के बाद उपचार मिला। मृत पशुओं का चिकित्सकीय रिकॉर्ड भी इस पूरे मामले में महत्वपूर्ण होगा।

आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी फौज, फिर भी निगरानी पर सवाल

गौशाला प्रकरण को केवल एक घटना मानकर छोड़ना इसलिए भी मुश्किल है क्योंकि नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग के पास बड़ी संख्या में आउटसोर्स कर्मचारी हैं। सफाई और मैदानी व्यवस्थाओं के लिए

आउटसोर्स कर्मचारियों की बड़ी फौज के बावजूद गौशाला से शहर की सफाई तक बढ़ाहली, निगरानी और कामकाज पर उठ रहे सवाल



इतना बड़ा मशानां हान के बावजूद शहर के कई हिस्सों में कचरा, गंदगी और नालियों की सफाई को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं। सवाल यह है कि कर्मचारियों की तैनाती के बाद उनके काम की वास्तविक निगरानी कौन करता है? उनकी उपस्थिति और मैदानी काम का सत्यापन किस स्तर पर होता है? यदि कर्मचारियों पर खर्च हो रहा है तो उसका असर शहर की सफाई व्यवस्था में क्यों नहीं दिखाई देता? इन बिंदुओं की जांच रिकॉर्ड के आधार पर होना जरूरी है।

चार कर्मचारी और सुपरवाइजर, फिर अत्यवस्था कैसे?

निगम के अनुसार अमीरगंज गौशाला में

चार कमचारा तैनात है। तान कमचारा अलग-अलग शिफ्ट में काम करते हैं, जबकि सुपरवाइजर और हांका गैंग प्रभारी भी व्यवस्था में हैं। तीनों शिफ्ट में सफाई कराने का दावा है। इसके बावजूद वायरल वीडियो में बारिश के बाद परिसर में कीचड़ और अव्यवस्था दिखाई देने के दावे सामने आए।

यदि यह स्थिति केवल बारिश के कारण बनी तो जलनिकासी और तत्काल सफाई व्यवस्था की समीक्षा जरूरी है। वहीं यदि बीमार मवेशियों की मौत हुई है तो उनकी निगरानी और उपचार की व्यवस्था का रिकॉर्ड भी जांच के दायरे में होना चाहिए। निगम पर्याप्त चारा, भूसा, पानी और



उपचार की व्यवस्था का दावा कर रहा है। ऐसे में पशुओं की संख्या, चारा वितरण, दवाओं, उपचार और स्वास्थ्य परीक्षण के रिकॉर्ड से व्यवस्था की वास्तविकता स्पष्ट हो सकती है। इसी तरह गौशाला और सफाई व्यवस्था पर होने वाले खर्च, आउटसोर्स कर्मचारियों की उपस्थिति तथा ठेकेदारों को किए जाने वाले भुगतान का सत्यापन भी जरूरी है। भ्रष्टाचार या वित्तीय अनियमितता के आरोपों की पुष्टि केवल जांच और दस्तावेजों से ही हो सकती है। स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर

निगमायुक्त द्वारा स्वास्थ्य अधिकारी की कार्यप्रणाली की जांच शुरू किए जाने की जानकारी सामने आई है। ऐसे में अमीरगंज गौशाला का मामला व्यापक स्वास्थ्य व्यवस्था की निगरानी और जवाबदेही की जांच का हिस्सा बन सकता है। अस्थिर सवाल यह नहीं है कि निगम के पास कर्मचारी और संसाधन हैं या नहीं। सवाल यह है कि उनका असर जमीन पर कितना दिखाई दे रहा है। गौशाला से लेकर शहर की सफाई तक यदि शिकायतें लगातार सामने आ रही हैं तो जिम्मेदारी तय करने के लिए केवल सफाई नहीं, बल्कि काम और खर्च दोनों की जांच जरूरी है।

इनका कहना है।

निगम के स्वास्थ्य अधिकारी संजय सोनी ने कहा कि वीडियो में दिखाए गए मवेशी गंभीर रूप से बीमार और निराश्रित थे, जिन्हें कैथिंग स्वचाइ से रेस्क्यू किया था। उपचार के प्रयासों के बावजूद उनकी मौत हुई और निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका निस्तारण किया गया। उन्होंने गौशाला में पर्याप्त चारा-पानी, नियमित उपचार और तीन शिफ्ट में सफाई व्यवस्था होने की बात कही। उनके अनुसार वीडियो उस समय का है, जब मृत पशुओं के निस्तारण के लिए टीम गौशाला पहुंच रही थी।

पितरों की याद में वृद्धाश्रम में कराया सेवा-भोज



कटनी, यशभारत। पितृ पक्ष के अवसर पर कटनी ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी ने उनका कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष दहाधाम वृद्धाश्रम में 'पितरों की याद में सेवा-भोज' कार्यक्रम आयोजित किया। संस्था के सदस्यों ने दवा जी के समाधि स्थल के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और वृद्धजनों को भोजन कराया। सदस्यों ने बुजुर्गों के साथ बैठकर भोजन किया और आत्मीय संवाद कर उनका हालचाल जाना। भोजन के बाद वृद्धजनों को तिलक लगाकर फल

ब्लड डोनर एंड वेलफेयर सोसाइटी ने बुजुर्गों के साथ बिताया समय

एवं उपहार सामग्री भेंट की गई और उनका आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में संस्था अध्यक्ष लोकेश टीनू सचदेवा, महिला विंग अध्यक्ष मंजू शर्मा, महामंत्री रौनक खंडेलवाल सहित पदाधिकारी, सदस्य और समाजसेवी मौजूद रहे। कार्यक्रम पुरवार और राज सोनी ने की। संस्था ने इसे सामाजिक और आत्मीय संवाद कर उनका सेवा और बुजुर्गों के प्रति जिम्मेदारी की दिशा में सार्थक पहल बताया।



‘अभिव्यक्ति’ की काव्य गोष्ठी में बही काव्यधारा

कटनी, यशभारत। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था ‘अभिव्यक्ति’ की काव्य गोष्ठी में नगर के रचनाकारों ने अपनी कविताओं और गजलों से साहित्यिक वातावरण को समृद्ध किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि अश्विनी पाठक ने की। मुख्य अतिथि हास्य कवि शरद जायसवाल तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. गुरुदयाल कनीजिया रहे। संचालन गीतकार मुकेश त्रिपाठी ने किया। गोष्ठी का शुभारंभ वरिष्ठ कवि विजय बागरी की कृति ‘पुष्प वाटिका’ की समीक्षा से हुआ। इसके बाद गजलकार चंद्रकिशोर श्रीवास्तव ‘चंदन’, शरद जायसवाल और मुकेश त्रिपाठी ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। उनकी रचनाओं पर साहित्यप्रेमियों ने सराहना की। इस अवसर पर डॉ. अरुणा पाण्डेय, आशा जैन, नारायण तिवारी, सुशील शर्मा, लक्ष्मीनारायण पटेल, आशा अवस्थी, अखिलेश दुबे, सुशील जैन और डॉ. श्रीकृष्ण तिवारी सहित साहित्यकार उपस्थित रहे। आभार नारायण तिवारी ने व्यक्त किया।

अंतरजातीय विवाह को सहमति, मृत्यु भोज खत्म कोष्टा समाज ने सामाजिक बदलाव पर जताई सहमति



कटनी, यशभारत। कोष्टा समाज ने सामाजिक बदलाव की दिशा में पहल करते हुए अंतरजातीय विवाह को सहमति देने और मृत्यु भोज की अनिवार्यता समाप्त करने पर सर्वसम्मति जताई। संतनगर नई बस्ती में गंगाराम कोष्टा के निवास पर हुई समाज की बैठक में सामाजिक मुद्दों और समाज की आगामी गतिविधियों पर चर्चा की गई। बैठक में सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। गंगाराम कोष्टा को अध्यक्ष, ज्ञानचंद कोष्टा को उपाध्यक्ष, संजय कोष्टा उर्फ टोनी को सचिव, नितेश कोष्टा कोषाध्यक्ष और पंकज कोष्टा को सह कोषाध्यक्ष चुना गया। वहीं जगदीश कोष्टा, अशोक कोष्टा और संतोष कोष्टा को संरक्षक मंडल में शामिल किया गया। बैठक में सामाजिक एकजुटता, कुरीतियों को दूर करने और समाज हित से जुड़े अन्य विषयों पर भी विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान गंगाराम कोष्टा, जगदीश कोष्टा, ज्ञानचंद कोष्टा, संतोष कोष्टा, अशोक कोष्टा, राजेश कोष्टा, सुजीत कोष्टा, चंद्रशेखर कोष्टा, जितेंद्र कोष्टा, कुलदीप कोष्टा, पंकज कोष्टा सहित बड़ी संख्या में समाज के सदस्य मौजूद रहे।



4,119 जल संरक्षण कार्यों से गांवों में थमी बारिश की बूंदें

1,415 कुओं का पुनर्भरण और 1,352 खेत तालाबों से भू-जल व सिंचाई को मिला आधार

कटनी, यशभारत। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में 4,119 जल संरक्षण कार्य कर बारिश के पानी को सहेजने और भू-जल स्तर बढ़ाने के प्रयास किए गए। इनमें 1,415 कूप पुनर्भरण, 1,352 खेत तालाब, 239 सिंचाई अधोसंरचना और 311 विशेष जल संरक्षण कार्य शामिल हैं। अभियान के तहत 7 अमृत सरोवर तैयार किए गए और 68 जल संरचनाओं की मरम्मत कर उन्हें उपयोगी बनाया गया। वहीं 284 वाटरशेड तथा

301 अन्य विकास कार्य भी पूरे किए गए। जल संरचनाओं के आसपास 142 स्थानों पर पौधरोपण कराया गया। प्रशासन के अनुसार अभियान में ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों की भागीदारी से तालाबों के गहरीकरण, कुओं के पुनर्जीवन, कूप पुनर्भरण और पौधरोपण जैसे कार्य किए गए। कलेक्टर आशीष तिवारी ने समय-सीमा बैठकों में अभियान की समीक्षा कर कार्यों की मॉनिटरिंग की।

क्विवज प्रतियोगिता में 115 विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय एनकेजे कटनी में भारतीय डाक विभाग ने कराया आयोजन

कटनी, यशभारत। भारतीय डाक विभाग द्वारा दीनदयाल स्पर्श योजना के अंतर्गत लिखित क्विवज प्रतियोगिता का आयोजन पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय, एनकेजे कटनी में किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के 115 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

प्रवर अधीक्षक डाकघर, जबलपुर संभाग के मार्गदर्शन में आयोजित

प्रतियोगिता शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। परीक्षा के संचालन में सेंटर इंचार्ज सहायक अधीक्षक डाकघर जबलपुर लवकुश परते, उप निरीक्षक डाकघर कटनी संतोष साहू, पोस्टमास्टर कटनी गगन मुहोतिया सहित इनविजिलेटर, क्लेरिकल स्टाफ और एमटीएस कर्मचारियों ने भूमिका निभाई। डाक विभाग ने परीक्षा के सफल

धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन जारी

51 केंद्रों पर होगा पंजीयन, एग्रीस्टेक से खसरा, रकबा और फसल का होगा सत्यापन

कटनी, यशभारत। खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की प्रक्रिया जारी है। किसान 10 अक्टूबर तक जिले के 51 पंजीयन केंद्रों पर पंजीयन करा सकेगें। रविवार और शासकीय अवकाश पर पंजीयन नहीं होगा। इस बार पंजीयन प्रक्रिया को एग्रीस्टेक डाटाबेस से जोड़ा गया है। किसान के खसरा नंबर, रकबा और बोई गई फसल का विवरण इसी डाटाबेस से सत्यापित किया जाएगा। पूर्व पंजीकृत किसानों के लिए अलग विकल्प रहेगा, जबकि नए किसानों को पूरा विवरण दर्ज कराना होगा। सिकमी, बटाईदार और वन पट्टाधारी किसानों के लिए भी निर्धारित प्रक्रिया के तहत पंजीयन की सुविधा रहेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि किसी अन्य व्यक्ति का खसरा जोड़ने या गलत पंजीयन करने पर संबंधित समिति प्रबंधक और कंप्यूटर ऑपरेटर के विरुद्ध दंडात्मक एवं वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

45 लोगों ने किया रक्तदान, 60 का हुआ परीक्षण



अग्रसेन जयंती महोत्सव में सेवा का संदेश, महिलाओं की भी रही सक्रिय भागीदारी

कटनी, यशभारत। अग्रसेन जयंती महोत्सव के तहत अग्रवाल नवयुवक मंडल द्वारा आयोजित पांचवें विशाल रक्तदान एवं स्वास्थ्य जांच शिविर में समाज के लोगों ने सेवा का संदेश दिया। शिविर में करीब 45

लोगों ने स्वेच्छ से रक्तदान किया, जबकि 60 महिला-पुरुषों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

शिविर में शैलेसेमिया, सीबीसी और एच बी ए 1सी जैसी महत्वपूर्ण जांचें की गईं। महिलाओं ने भी बहु-चट्टकर भागीदारी निभाई। कार्यक्रम का शुभारंभ अग्रवाल समाज अध्यक्ष पवन मित्तल और सचिव आनंद राज अग्रवाल ने भगवान

अग्रसेन के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। अध्यक्ष पवन मित्तल ने स्वयं रक्तदान कर शिविर की शुरुआत की। रक्तदाताओं को फल, फ्रूटी, पुष्पमाला सहित महाराजा अग्रसेन की तस्वीर युक्त डाक टिकट भेंट की गईं। जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक के चिकित्सकों और स्टाफ ने शिविर में सहयोग दिया। समापन पर नवयुवक मंडल और महिला मंडल की ओर से चिकित्सकीय टीम का सम्मान किया गया।

शिक्षक संयुक्त मोर्चा का भोपाल मे धरना

कटनी, यशभारत। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा मध्यप्रदेश ने शिक्षकों की मांगों को लेकर नीलम पार्क भोपाल में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। सोमवार को भोपाल और नर्मदापुरम संभाग के हजारों शिक्षकों ने धरने में भाग लिया। मोर्चा की प्रमुख मांगों में टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने, प्रथम नियुक्ति दिनांक से सेवावधि की गणना कर वरिष्ठता बहाल करने और अव्यवहारिक ई-अटेंडेंस व्यवस्था पर रोक लगाना शामिल है। मोर्चा के प्रांतीय संयोजक राकेश दुबे ने बताया कि समस्याओं के निराकरण तक धरना जारी रहेगा। आज से जबलपुर संभाग के शिक्षक धरना स्थल पर शामिल होंगे।

रविवार को भी खुले रहे निगम के काउंटर

कटनी, यशभारत। जलकर राहत योजना का लाभ अधिक से अधिक बकायेदारों तक पहुंचाने के लिए नगर निगम ने रविवार को भी केश काउंटर खुले रखे। निगम की टीम ने घर-घर पहुंचकर उपभोक्ताओं को योजना की जानकारी दी और बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा कर शेष 50 प्रतिशत की छूट का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। निगम प्रशासन के अनुसार योजना के तहत बकाया जलकर की 50 प्रतिशत राशि एकमुश्त जमा करने पर शेष 50 प्रतिशत राशि में छूट दी जा रही है। रविवार को काउंटर खुले रखने से उपभोक्ताओं को अवकाश के दिन भी भुगतान की सुविधा मिली। योजना का लाभ लेने की अंतिम तिथि 10 अक्टूबर 2026 निर्धारित है। इसके बाद छूट का लाभ नहीं मिलेगा। निगम ने बकायेदार उपभोक्ताओं से अंतिम तिथि का इंतजार किए बिना समय रहते भुगतान कर योजना का लाभ लेने की अपील की है।



कोहली के बल्ले से रिकॉर्ड्स की झड़ी 15 हजार वनडे रन, रचा इतिहास

तिरुवनंतपुरम, एजेंसी। विराट कोहली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तिरुवनंतपुरम वनडे में नाबाद 139 रन की तूफानी पारी खेलकर रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 88 गेंदों में 10 चौकों और नौ छकों की मदद से बनाए इन रनों के दौरान कोहली ने वनडे क्रिकेट में 15 हजार रन पूरे किए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने वेस्टइंडीज को आठ विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली। 15 हजार वनडे रन पूरे करने वाले कोहली दुनिया के दूसरे बल्लेबाज बन गए हैं। उनके नाम अब 15,080 रन हैं। उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिन्होंने वनडे में 18,426 रन बनाए हैं। हालांकि, 15 हजार रन तक पहुंचने में कोहली ने सबसे तेज बल्लेबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। उन्होंने यह मुकाम 303 पारियों में हासिल किया, जबकि तेंदुलकर को 377 पारियां लगी थीं। गेंदों के लिहाज से भी कोहली ने यह उपलब्धि तेंदुलकर से कम गेंदों में हासिल की। इसके बाद कोहली ने लिस्ट-ए क्रिकेट में अपने 60 शतक पूरे कर लिए। वेस्टइंडीज के खिलाफ लगाया गया शतक उनका 60वां लिस्ट-ए शतक रहा और इसके साथ उन्होंने सचिन तेंदुलकर के 60 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। कोहली के करियर में यह उपलब्धि भी उनके रिकॉर्डों की सूची में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई। भारत में वनडे क्रिकेट में भी कोहली ने नया आंकड़ा छुआ। उनके नाम अब भारतीय जमीन पर 7,006 वनडे रन हो गए हैं। वह किसी एक देश में 7,000 वनडे रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए हैं। इस उपलब्धि ने घरेलू मैदान पर उनकी निरंतरता को भी रिकॉर्ड के रूप में दर्ज कर दिया। वेस्टइंडीज के खिलाफ कोहली का यह 10वां वनडे शतक था। श्रीलंका के खिलाफ भी उनके नाम 10 शतक हैं। इस तरह किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ सर्वाधिक वनडे शतक लगाने के मामले में उन्होंने अपने ही रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। 14 हजार से 15 हजार वनडे रन तक पहुंचने का कोहली का सफर भी रिकॉर्ड प्रदर्शन से भरा रहा। उन्होंने सिर्फ 16 पारियों में 1,000 रन पूरे किए। इस दौरान उन्होंने 11 बार 50 से अधिक रन बनाए, जिसमें पांच शतक शामिल रहे। इस 1,000 रन के चरण में उनका स्ट्राइक रेट 107.93 रहा, जो उनके किसी भी 1,000 रन के ब्लॉक में सबसे बेहतर है। तिरुवनंतपुरम का मैदान भी कोहली के रिकॉर्डों का गवाह बना। यहां तीन वनडे पारियों में वह 338 रन बना चुके हैं और इस दौरान एक बार भी आउट नहीं हुए। एक मैदान पर बिना आउट हुए सबसे ज्यादा वनडे रन बनाने का रिकॉर्ड अब उनके नाम है। मुकामले में लगाए गए नौ छके भी उनकी किसी एक वनडे पारी में सर्वाधिक छके रहे। कोहली ने 74 गेंदों में शतक पूरा किया, जो वनडे में उनका तीसरा सबसे तेज शतक है। वहीं शुभमन गिल ने 67 पारियों में अपना 10वां वनडे शतक पूरा कर नया भारतीय रिकॉर्ड बनाया। गेंदाबाजी में कुलदीप यादव ने वनडे में 12वां बार चार या उससे अधिक विकेट लिए और भारत के लिए इस मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर पहुंच गए। मुकामले में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सात विकेट पर 295 रन बनाए। जस्टिन ग्रीव्स ने 108 गेंदों में 101 रन बनाए, जबकि जॉन कैम्बेल ने 62 और आर्मिज जांगो ने 58 रन की पारियां खेलीं। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत ने 41.4 ओवर में दो विकेट पर 300 रन बनाकर मैच जीत लिया।



ढिंडोरा 2 अब नेटफिलक्स पर दस्तक देने को तैयार



मुंबई (ईएमएस)। दर्शक लंबे समय से अभिनेता भुवन बाम की पॉपुलर सीरीज ढिंडोरा के दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज ने भुवन बाम के बनाए किरदारों को घर-घर तक पहुंचा दिया था, और अब, ढिंडोरा 2 एक बड़े प्लेटफॉर्म नेटफिलक्स पर दस्तक देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यूट्यूब पर रिलीज हुई ढिंडोरा 2 सीरीज की पहली बल्लक सामने आने के बाद फैंस के बीच इसे लेकर उत्साह और बढ़ गया है। हाल ही में सीरीज के अनुभव को लेकर भुवन ने बताया कि इस सीजन को ख्गीन तक लाना उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं था। इसके लिए उन्हें कई ड्राफ्ट, जोक्स और स्टोरीलाइन पर बार-बार काम करना पड़ा। भुवन बाम ने ढिंडोरा 2 बनाने के सफर और अपने जुड़ाव के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा, सीरीज ढिंडोरा मेरे लिए बेहद खास है। इसके किरदार पिछले कई सालों में मेरे और दर्शकों के साथ-साथ बड़े हुए हैं। इसके सीजन 2 पर लंबे समय से काम चल रहा था और अब जब इसकी पहली बल्लक दर्शकों के सामने आई है, तो मेरे लिए यह पल काफी यादगार बन गया है। भुवन ने जोर देते हुए कहा, ढिंडोरा 2 में पहले सीजन से ज्यादा पागलपन होगा, लेकिन इसकी सबसे जरूरी बात यह है कि इसमें उस दुनिया का पुराना मजा और अपनापन भी बना रहेगा। मैं नहीं चाहता कि बड़े प्लेटफॉर्म पर जाने की वजह से शो अपनी असली पहचान खो दे। इसलिए कहानी को बड़ा करने के साथ-साथ उन चीजों को भी संभालकर रखा गया है, जिनसे दर्शक पहले सीजन में जुड़े थे। उन्होंने बताया कि सीजन 2 को तैयार करने के दौरान सबसे बड़ी चुनौती कहानी को लेकर थी। इस प्रोजेक्ट पर काम करते हुए कई ड्राफ्ट लिखे गए। सिर्फ कहानी ही नहीं, बल्कि कई जोक्स और स्टोरीलाइन को भी बार-बार बदला गया। मेरा मकसद यही था कि आखिर में जो कहानी दर्शकों तक पहुंचे, वह उन्हें सही लगे और मेरी मौजूदा सोच से भी जुड़ सके। भुवन ने आगे कहा, अब ढिंडोरा 2 जिस मुकाम पर पहुंचा है, वह आज की सोच और मैच्योरिटी से काफी जुड़ा हुआ है। सीरीज में कुछ ऐसे मुद्दों को भी छूने की कोशिश की गई है, जिन पर मैं खुद भरोसा करता हूं। उन्हें उम्मीद है कि पुराने फैंस को इसमें वही अपनापन मिलेगा, जिसके लिए वे इस सीरीज को पसंद करते आए हैं, साथ ही नई ऑडियंस भी इस कहानी और इसके किरदारों से जुड़ पाएगी। बीबीकेवी प्रोडक्शन्स के फाउंडर और प्रोड्यूसर रोहित राज ने भी ढिंडोरा के इस सफर को खास बताया। उन्होंने कहा, एक इंडिपेंडेंट यूट्यूब सीरीज से नेटफिलक्स तक पहुंचना काफी बड़ा सफर रहा है। दूसरे सीजन को बड़े लेवल पर बनाने की कोशिश की गई है, लेकिन टीम ने यह भी ध्यान रखा कि पहले सीजन की वह मस्ती, पागलपन और पहचान कहीं खो न जाए। मालूम हो कि ढिंडोरा का पहला सीजन 2021 में यूट्यूब पर रिलीज हुआ था और उसे दर्शकों का काफी प्यार मिला था।

23वीं राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ, प्रदेशभर से जुटे तीरंदाज

जबलपुर, यश भारत। मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के तत्वावधान में 23वीं जूनियर एवं सीनियर राज्य स्तरीय आर्चरी चैंपियनशिप का शुभारंभ रविवार को हुआ। प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और तीरंदाजी की विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिता में 70 मीटर रिकर्व, 50 मीटर कंपाउंड और 30 मीटर इंडियन राउंड की स्पर्धाएं आयोजित की गईं। इसमें अलीराजपुर, झाबुआ, धार, धार एसएआई, इंदौर, देवास, खरगोन, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, भोपाल, नर्मदापुरम, नरसिंहागढ़, जबलपुर, सतना, रीवा, सिंगरौली, भिंड, आमी और सागर सहित विभिन्न जिलों की टीमों ने भाग लिया।

खिलाड़ियों को मेहनत और अनुशासन का संदेश उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि जबलपुर कैंट विधायक अशोक रोहाणी और मध्यप्रदेश ओलिंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम की

अध्यक्षता मध्य प्रदेश अमेच्योर आर्चरी एसोसिएशन के अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने की। इस दौरान डीके विद्यार्थी, वेद कुमार, मध्यप्रदेश राज्य आर्चरी अकादमी के मुख्य प्रशिक्षक, पुष्पराज सिंह, अभय नायक, दिलीप गर्ग सहित अन्य पदाधिकारी और खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

अशोक रोहाणी ने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन और समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। दिग्विजय सिंह ने खिलाड़ियों को खेल में निरंतर सुधार और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। अध्यक्ष सीए अखिलेश जैन ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एसोसिएशन की ओर से खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए आवश्यक सुविधाएं और हरसंभव सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। वेद कुमार ने नियमित अभ्यास और खेल में निरंतर प्रगति के महत्व पर प्रकाश डाला।

जूनियर वर्ग के परिणाम- जूनियर वर्ग की कंपाउंड पुरुष स्पर्धा में राज कौरव ने प्रथम, दीक्षांत

चेस ओलिंपियाड में भारत को डबल मेडल ओपन कैटेगरी में सिल्वर, महिला टीम ने ब्रॉन्ज जीता



समरकंद, एजेंसी। भारत ने समरकंद में हुए 46वें चेस ओलिंपियाड में रविवार को 2 मेडल अपने नाम किए। टीम ने ओपन में सिल्वर मेडल जीता। वहीं महिला टीम ब्रॉन्ज जीतने में सफल रही।

ओपन में वल्ट्ड चेस चैंपियन डी गुकेश को हंगरी के र्लेब डुडिन के खिलाफ हार मिली। वहीं टूर्नामेंट की मेजबानी कर रहे उज्बेकिस्तान को ओपन में गोल्ड जीता। चीन ने महिला वर्ग में गोल्ड हासिल किया।

ओपन में भारत दूसरे स्थान पर रहा

ओपन कैटेगरी के आखिरी राउंड में भारत और हंगरी का मुकाबला 2-2 से ड्रॉ रहा। गुकेश के हार के बाद तर्कअर्जुन एग्रीसी ने तर्कपीटर लेको को हराकर भारत को मुकाबला ड्रॉ करने में मदद की। मेजबान उजबेकिस्तान ने यूक्रेन को 2.5-1.5 से हराकर गोल्ड जीता। निर्णायक गेम में तर्कमुखिद्दीन मादामिनोव ने तर्करोमेन देहवियारोव को हराया। जर्मनी ने नीदरलैंड्स



को 2.5-1.5 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल जीता। भारत और जर्मनी के अंक बराबर रहे, लेकिन टाईब्रेक के आधार पर भारत को सिल्वर मेडल मिला।

सविता ने ड्रॉ खेल महिला टीम को ब्रॉन्ज दिलाया महिला वर्ग में भारत का आखिरी राउंड जॉर्जिया के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ रहा। दूरूसविता श्री ने मुश्किल स्थिति से वापसी करते हुए जॉर्जिया की दूरुमेरी अरबिडजे के खिलाफ ड्रॉ हासिल किया। इससे भारत पोजियम पर जगह बनाने में सफल रहा। चीन ने वियतनाम को 3-1 से हराकर गोल्ड मेडल जीता। कजाखस्तान ने पोलैंड के खिलाफ 2-2 से ड्रॉ खेलकर सिल्वर हासिल किया। चीन ने दूसरे स्थान पर रहे कजाखस्तान से दो अंक आगे रहते हुए अपना सातवां महिला चेस ओलिंपियाड गोल्ड जीता। भारत ने टाईब्रेक के आधार पर अमेरिका, पोलैंड, आर्मेनिया और मंगोलिया को पीछे छोड़ते हुए ब्रॉन्ज मेडल हासिल किया।

ओटीटी पर काम कर खुश हैं आशा नेगी, कहती हैं - अब प्रोजेक्ट्स के बीच अपनी जिंदगी जी पाती हूं

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आशा नेगी इन दिनों अपनी वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में अलीशा निगम के किरदार से दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना रही हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में एक बातचीत में बताया कि वह इस समय अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर काम करने की आजादी का भरपूर लुत्फ उठा रही हैं। उन्होंने अपने टीवी सफर को याद करते हुए कहा कि अब उन्हें ऐसा काम करने में मजा आ रहा है जो उन्हें प्रोजेक्ट्स के बीच थोड़ा खुद के लिए जीने का मौका देता है, और फिर बिल्कुल अलग किरदारों में पदें पर लौटने का अवसर मिलता है। आशा नेगी ने अपनी अभिनय यात्रा



और प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए कहा, मैं एक एक्टर हूं और बस एक्टिंग करना चाहती हूं। अच्छे प्रोजेक्ट्स करना चाहती हूं, चाहे वो ओटीटी हो, फिल्म हो या फिर टेलीविजन। फिलहाल मैं बस आजाद रहना चाहती हूं और इस समय मैं ज्यादा ओटीटी इसलिए कर रही हूं क्योंकि यह एक-दो या तीन महीने में खत्म हो जाता है और फिर आप प्री हो जाते हो। उन्होंने विस्तार से बताया कि ओटीटी पर काम करने के बाद उन्हें अपनी जिंदगी को भी

बेहतर तरीके से जीने का मौका मिलता है। आशा नेगी ने कहा, फिर आप थोड़ी अपनी जिंदगी भी जीते हैं क्योंकि मुझे याद है कि टेलीविजन पर काम करते हुए मेरी अपनी कोई जिंदगी ही नहीं थी। हालांकि, ओटीटी में काम करने के बाद आप थोड़ा अपनी जिंदगी जीते हैं, फिर आप दूसरे प्रोजेक्ट पर जाते हैं और आप एक बिल्कुल अलग किरदार निभा रहे होते हैं।

‘अभिनेत्री आशा नेगी ने जोर देकर कहा कि उन्हें नए-नए किरदारों को एक्सप्लोर करने की यह पूरी प्रक्रिया बेहद पसंद आ रही है, क्योंकि यह उन्हें एक कलाकार के रूप में विकसित होने और विभिन्न भूमिकाओं में ढलने का अवसर देती है। उनकी वर्तमान वेब सीरीज अली बाबा और 40 भूत में, आशा नेगी ने अलीशा निगम नाम की एक घोस्ट हंटर का दमदार किरदार निभाया है।

ऋतिक के साथ बनाये छोटे से वीडियो ने बदल दी प्राजक्ता के कैरियर की दिशा

मुंबई (ईएमएस)। सफल कंटेंट क्रिएटर, अभिनेत्री और लेखिका के तौर पर आज प्राजक्ता कोली डिजिटल दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बना चुकी हैं। प्राजक्ता कोली को मोस्टली सेन के नाम से जाना जाता है। कंटेंट क्रिएशन के बाद उन्होंने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा और मिसमैट्स से दर्शकों के बीच पहचान बनाई। इसके अलावा वह यूट्यूब के क्रिएटर्स फॉर चेंज प्रोग्राम का हिस्सा बनीं और पूर्व अमेरिकी फस्ट लेडी मिशेल ओबामा के साथ भी काम किया। मालूम हो कि प्राजक्ता का सपना सिर्फ एक रेंडियो जॉकी बनने का था। अपने इस सपने को पूरा करने के लिए वह एक रेंडियो स्टेशन में इंटरनिशर कर रही थीं। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि एक दिन रेंडियो स्टेशन पर ऋतिक रोशन के साथ बनाया गया एक छोटा-सा वीडियो उनके करियर की दिशा पूरी तरह बदल देगा और उन्हें यूट्यूब की दुनिया में ले आएगा। हाल ही में पहला पहला के लेटेस्ट एपिसोड में गोपाल दत्त के साथ बातचीत के दौरान प्राजक्ता ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। उन्होंने बताया कि वह



ठाणे में पली-बढ़ीं और बचपन से ही रेंडियो की दुनिया में काम करने का सपना देखती थीं। इसी सपने को पूरा करने के लिए उन्होंने रेंडियो स्टेशन में इंटरन के तौर पर काम करना शुरू किया। उस समय फिल्म बैंग बैंग रिलीज होने वाली थी और ऋतिक रोशन अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए



करौले ने द्वितीय और समर जटविया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कंपाउंड महिला वर्ग में त्रिज्या पाटिल प्रथम, नेहा राज द्वितीय और पारुल नंदा तृतीय रहीं।

रिकर्व पुरुष वर्ग में दीपांशु नंदा ने प्रथम, हरि ठाकुर ने द्वितीय और वंश डगार ने तृतीय स्थान हासिल किया। रिकर्व महिला वर्ग में आयशा प्रजापत प्रथम, प्रीति यादव द्वितीय और प्राची भायन तृतीय रहीं।

इंडियन राउंड पुरुष वर्ग में कुश नामदेव ने प्रथम,



जापान के कोच बोले, देश में कबड्डी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ रही

बैंकाक (ईएमएस)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेठ्टी ने एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीतने पर खुशी जताते हुए कहा है कि अब देश में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। यह महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का कबड्डी में पहला पदक है। थाई कोच शेठ्टी भारत के हैं और उनका मानना ​​है कि इस पदक से साफ है थाईलैंड में कबड्डी की लोकप्रियता बढ़ रही है। थाई टीम को जापान के नगोया में हुए सेमीफाइनल मुकामले में भारतीय टीम के हाथों से 28-66 से हार का सामना करना पड़ा था। इस हार के बाद थाई टीम को कांस्य मिला है।

भारतीय टीम ने इस मैच में अपना प्रभाव बनाये रखा, हाफ-टाइम तक टीम ने 37-18 की मजबूत बढ़त ली और अंत में 66-28 के बड़े अंतर से जीत दर्ज की की। भारतीय टीम ग्रुप-ए में अपने सभी चार मैच जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी।

पिछले तीन साल से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे शेठ्टी ने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहीं बिल्कुल शून्य से काम शुरू किया था। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद



काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं और थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है।

रवींद्र ने बताया कि थाईलैंड में जमीनी स्तर पर कबड्डी के विकास ने गति पकड़ी है, खासकर स्कूली प्रतियोगिताओं और युवा कार्यक्रमों के माध्यम से। उन्होंने कहा, अभी, स्कूली स्तर पर कबड्डी शुरू हो रही है। हमारे अध्यक्ष हर चार महीने में युवा खेल आयोजित करते हैं। इसी वजह से कबड्डी का विकास हो रहा है। कोच ने यह भी बताया कि उनकी अकादमी में अभी 60 से ज्यादा युवा खिलाड़ी हैं, जिनमें 35 लड़कियां और 30 लड़के शामिल हैं, जो थाईलैंड के अलग-अलग हिस्सों जैसे बैंकांक, चोनबुरी और अन्य राज्यों से प्रशिक्षण के लिए आते हैं।



आलिया भट्ट की फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने जीता मां सोनी राजदान का दिल

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री आलिया भट्ट की नवीनतम रोमांटिक कॉमेडी फिल्म ‘डॉट बी शाय’ ने शुक्रवार को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी, जिसके बाद उनकी मां और अनुभवी अभिनेत्री सोनी राजदान ने फिल्म की दिल खोलकर तारीफ की। सोनी राजदान ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर फिल्म की स्क्रीनिंग की एक तस्वीर साझा करते हुए निर्देशक श्रीति मुखर्जी और फिल्म से इंडस्ट्री में कदम रखने वाले पाँच नए प्रतिभाशाली चेहरों को विशेष बधाई दी। उन्होंने लिखा, बधाई हो, ये एक शानदार फिल्म है और इसके साथ ही 5 नए टैलेंट ने इंडस्ट्री में कदम रखा है। श्रीति मुखर्जी को दिल से सलाम, दिल और पागलपन से भरी एक फिल्म बनाने के लिए। नए चेहरों की बेहद टैलेंटेड कास्ट ने इसे बखूबी निभाया है। यह फिल्म आलिया भट्ट के लिए निर्माता के तौर पर एक महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट है। उन्होंने अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर अपने प्रोडक्शन हाउस इटरनल सनशाइन प्रोडक्शन्स के बैनर तले इस फिल्म को रिलीज किया है। श्रीति मुखर्जी द्वारा निर्देशित यह फिल्म मुख्य रूप से चार नए कलाकारों आरुषि बजाज, अंश दुगल, बिर्याका अरोड़ा और पीयूष खाटी को दर्शकों के सामने लेकर आई है। इनके अलावा, अनुभवी कलाकार कुणाल रॉय कपूर, नेहा धूपिया और अनुराग बसु भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में हैं, जिससे कहानी को और गहराई मिलती है।

रेंडियो स्टेशन आए थे। प्राजक्ता ने बताया, रेंडियो स्टेशन पर जब भी कोई एक्टर फिल्म के प्रमोशन के लिए आता था, तो वहां एक तरह की परंपरा थी। टीम के लोग उस एक्टर के गांनों पर डांस करते थे। मैं उस समय इंटरन थी, इसलिए मुझे भी डांस करने के लिए कहा गया। मेरे लिए यह मौका खास था, क्योंकि मैं बचपन से ही ऋतिक रोशन की बड़ी फैन रही हूं। प्राजक्ता ने आगे बताया कि वह डांस करने के लिए तैयार हो गईं और ऋतिक के साथ परफॉर्म भी किया। उस दौरान ऋतिक की टीम में सुदीप भी मौजूद थे, जिन्होंने डांस के बाद प्राजक्ता का ऋतिक के साथ एक छोटा-सा वीडियो भी शूट किया। प्राजक्ता ने कहा, उस समय मुझे लगा भी नहीं था कि इस वीडियो से आगे कुछ होने वाला है। लेकिन इसी वीडियो ने मेरे लिए एक नया रास्ता खोल दिया। सुदीप उनके पास आए और पूछा कि क्या वह इस तरह के वीडियो बनाती हैं। प्राजक्ता ने साफ कहा कि वह ऐसा कुछ नहीं करतीं। इसके बाद सुदीप ने उन्हें अपना कार्ड दिया और सलाह दी कि उन्हें यूट्यूब के लिए कंटेंट बनाना चाहिए।

हीरागंज में करोड़ों रूपए की जमीनों का अवैध नामांतरण

लीजधारियों को बिना रजिस्ट्री किए बनाया भूमि स्वामी, सरकार को राजस्व की हानि

फर्जी नम्बरों से नामांतरण किए जाने का आरोप, अभिलेखागार से गायब हुई दस्तावेजों की फाइल

कटनी, यशभारत। हीरागंज की बेशकीमती जमीनों के अवैध रूपए से नामांतरण किए जाने का मामला सामने आया है। खास बात यह है कि इस प्रकरण के दस्तावेज तक तहसील कार्यालय व अभिलेखागार में नहीं है। शिकायतों में कहा गया है कि लीजधारियों को तहसीलदार कटनी नगर व एसडीएम द्वारा भूमि स्वामी की रजिस्ट्री किये बिना भूमिस्वामी घोषित कर उनके पक्ष में नामांतरण एवं खसरा हस्तांतरण किया गया है, जिससे राज्य सरकार को राजस्व की हानि हुई है। इस मामले को लेकर गजेन्द्र सिंह पिता लाल विजय सिंह देव निवासी मैत्री कॉलोनी जवाहर नगर सतना के मुक्तयारखास राहुल तिवारी ने बताया कि यह पूरा मामला हीरागंज की सैकड़ों करोड़ की जमीन से हुआ है, जिसमे तहसील कार्यालय व अभिलेखागार से अवैध हस्तांतरण के दस्तावेज नहीं दिए जा रहे हैं। तहसील में फर्जी प्रकरण नम्बरों से रिकार्ड में नामांतरण किया गया है। अब मामला सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारी जिम्मेदारों को बचा रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार भूमि स्वामी ने इन नामांतरित आराजियों के खसरों में दर्ज प्रकरण नम्बरों की नकल के लिये पहले लोकसेवा केन्द्र में वर्ष 2023 में आवेदन किया था, जिसमें सभी आवेदनों में रिकार्ड उपलब्ध नहीं



सूचना के अधिकार में नहीं दी जा रही जानकारी

आरटीआई में जानकारी देने के लिए जिम्मेदार तहसीलदार कटनी नगर, एसडीएम न तो जिम्मेदारों पर कार्यवाही कर रहे हैं और न ही फर्जी प्रकरण नम्बरों से नामांतरित कराई गई इन जमीनों के विरुद्ध फर्जीवाड़ा, धोखाधड़ी व छलपूर्वक अमानत में खयानत के तहत किये गये अपराध में आज तक एफआईआर भी दर्ज नहीं कराई। भू-स्वामी द्वारा कुछ अपीलीय प्रकरण, एसडीएम न्यायालय में नामांतरित प्रकरण आदेशों के बिना दायर करने पर एसडीएम न्यायालय भी आज तक प्रकरणों को तहसील न्यायालय से खोज नहीं करवा पाये हैं।

होने एवं तहसील न्यायालय से रिकार्ड अप्राप्त लिखकर प्रकरणों के दस्तावेज भूमिस्वामी को उपलब्ध नहीं कराए गए, जिसके बाद भूमिस्वामी ने सूचना के अधिकार का रास्ता अपनाकर 33 प्रकरणों की फाइलों के समस्त दस्तावेज, समस्त आर्डरशीट व आदेशों की प्रमाणित प्रतियों के लिए 25 जनवरी 2024 को तहसीलदार को आवेदन किया। इसे भी कई पहल करने व एसडीएम को अपील करने के बावजूद आज तक इन प्रकरणों के

दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए गए, जिसके पश्चात इन 33 प्रकरणों के अलावा अन्य 60 नामांतरित प्रकरणों के लिये भूमिस्वामी ने पुनः पहले लोकसेवा केन्द्र में आवेदन दिया और वहां से रिकार्ड उपलब्ध न होने की जानकारी के बाद 22 जुलाई 2025 को भी एक और आरटीआई लगाया गया, परन्तु इन सभी 93 प्रकरणों की आज तक एक भी फाइल न तो तहसील कार्यालय में और न ही अभिलेखागार में कहीं भी नहीं मिल रही।

भू-माफियाओं व रहवासियों की सांठ-गांठ

इन सब कारगुजारियों से स्पष्ट दिखाई देता है कि तहसीलदारों द्वारा भू-माफियाओं व रहवासियों की सांठगांठ से फर्जी प्रकरण नम्बर दर्शाकर 93 प्रकरणों के अवैध नामांतरण किये गये हैं और गौरतलब है कि कई लीजधारियों के रहवासी और वारिसों द्वारा अपने नाम नामांतरण कराते ही आराजी को करोड़ों रूपये में दूसरे को रजिस्ट्री करके तुरन्त पटवारी रिकार्ड में उनके नाम नामांतरण भी करा दिये गये।

अब तक नहीं की गई कार्यवाही

भू-माफियाओं की मिलीभगत से राजस्व विभाग के इस फर्जीवाड़ा का खेल संज्ञान में आने के बाद भी वरिष्ठ अधिकारी, कलेक्टर, कमिश्नर व राजस्व सचिव ने भी अभी तक कार्यवाही क्यों नहीं की और शासन को करोड़ों रूपये का चूना लगाने के बावजूद जिम्मेदारों पर रहम कर रहे हैं। ये फर्जी नामांतरण आज तक निरस्त भी नहीं किए गए।

इनका कहना है

हीरागंज की जमीनों के अवैध रूप से नामांतरण को लेकर शिकायतें सामने आई हैं। यह नामांतरण पूर्व के तहसीलदारों के कार्यकाल में हुए हैं। इसके बाद भी आवेदक को समय-समय पर दस्तावेज और प्रकरण की नकल उपलब्ध कराई गई है, हालाँकि अब यह मामला राजस्व न्यायालय में लंबित है।

-अजीत तिवारी, तहसीलदार, कटनी
इस तरह का कोई भी मामला मेरे संज्ञान नहीं है। शिकायत आने पर मामले की जांच कराई जाएगी।

-जितेन्द्र पटेल, एसडीएम कटनी

गांव-गांव, गली-गली बिक रही शराब

दीमरखेड़ा पुलिस की दबिश, भारी मात्रा में शराब बरामद , 100 किलो लाहन नष्ट कराया गया

कटनी, यशभारत। दीमरखेड़ा पुलिस द्वारा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों में अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी ने बताया कि मुखबिरों की सूचना पर दीमरखेड़ा पुलिस ने ग्राम गुड़ा, दशरमन, गोपालपुर, डुडहा एवं खंदवारा में दबिश दी। कार्रवाई के दौरान ग्राम गुड़ा में रानी बाई लोनी के कब्जे से 4 लीटर कच्ची शराब, ग्राम दशरमन में नरेश गोटिया के कब्जे से 5 लीटर कच्ची शराब, ग्राम गोपालपुर में गोविंद पटेल के कब्जे से 16 पाव देशी प्लेन शराब, ग्राम डुडहा में शरद सिंह के कब्जे से 5 लीटर कच्ची शराब एवं 50 किलो लाहन, ग्राम खंदवारा में शिव प्रसाद के कब्जे से 5 लीटर कच्ची शराब एवं 50 किलो लाहन बरामद किया गया। पुलिस ने 19 लीटर कच्ची शराब एवं 16 पाव देशी प्लेन शराब जब्त करते हुए 100 किलो लाहन को नष्ट कराया गया। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई। कार्रवाई में थाना प्रभारी महिमा रघुवंशी, एसआई अनिल पाण्डेय, एएसआई जयपाल सिंह, एएसआई अनिल तिवारी, प्रधान आरक्षक दीपक श्रीवास, प्रधान



आरक्षक अतुल शर्मा, प्रधान आरक्षक मनोज ठाकुर, प्रधान आरक्षक उदय पाल सिंह एवं आरक्षक गंधर्व सिंह का विशेष योगदान रहा। **उमरियापान में ढाबा संचालक गिरफ्तार**
इसी तरह उमरियापान क्षेत्र के एक ढाबे पर ग्राहकों के कथित रूप से अवैध तरीके से शराब पिलाने के मामले में पुलिस ने ढाबा संचालक धर्मेन्द्र बर्मन को गिरफ्तार किया। उसके खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। बाकल पुलिस ने ग्राम राजासलैया में दबिश देकर साहब सिंह बघेल को पकड़ा। उसके कब्जे से 16 पाव देशी प्लेन शराब बरामद किए जाने की जानकारी है। पुलिस ने शराब जब्त कर



डॉ. अदिति चौदहा

बी.डी.एस. मुख एवं दंत रोग विशेषज्ञ

पूर्व रेसीडेन्ट डेंटल सर्जन

अपोलो हॉस्पिटल बैंगलूरू



आधुनिक उपकरणों एवं नई तकनीक से दंत चिकित्सा

वलीनिक: मां दुर्गा हॉस्पिटल के पास,

आदर्श कॉलोनी रोड, कटनी (म.प्र.)





धर्मलोक हॉस्पिटल

पता- आदर्श कॉलोनी रोड, जयप्रकाश वार्ड, नई बस्ती, कटनी

फोन- 07622- 422390, 796084, मो. नं.- 8305402024

अस्पताल में उपलब्ध सुविधाएं

जनरल सर्जरी विभाग,

प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग,

अस्ति रोग विभाग, मेडिसन

विभाग, नवजात एवं शिशु

विभाग, दंत विभाग,

एक्टसीडेंट एवं ट्रामा यूनिट

आयुष्मान कार्ड से भी इलाज की सुविधा

24 घंटे-सीटी स्कैन सुविधा, एम्बुलेंस सुविधा, मेडिकल स्टोर्स, इमरजेंसी एवं भर्ती की सुविधा



किसान के बैंक खाते से पार किए 99 हजार हर दिन हो रही साइबर ठगी की वारदातें, जांच में जुटी पुलिस

कटनी, यशभारत। दीमरखेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ऑनलाइन साइबर ठगी का मामला सामने आया है। ग्राम पहरूआ निवासी एक किसान के बैंक खाते से 99 हजार की राशि ट्रांसफर कर ली गई। खाते से रकम निकलने का मैसेज मिलने के बाद पीड़ित को ठगी का पता चला। शिकायत मिलने पर दीमरखेड़ा पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम पहरूआ निवासी रामकृपाल प्रजापति पिता तेजीलाल प्रजापति के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी हुई। आरोप है कि किसी अज्ञात साइबर ठग ने उन्हें झांसे में लेकर उनके यूपीआई के माध्यम से बैंक खाते से 99 हजार रुपये ट्रांसफर कर लिए। खाते से रकम कटने का संदेश मोबाइल पर आने के बाद पीड़ित को घटना की जानकारी हुई। इसके बाद उन्होंने बैंक से संपर्क करने के साथ ही दीमरखेड़ा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2) एवं 308 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब उस बैंक खाते और यूपीआई आईडी की जानकारी जुटा रही है, जिसमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई। आरोपी तक पहुंचने के लिए साइबर सेल की मदद से ट्रैजिक्शन की पूरी ट्रेल खंगाली जा रही है।



इसके बाद उन्होंने बैंक से संपर्क करने के साथ ही दीमरखेड़ा थाने पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4), 319(2) एवं 308 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस अब उस बैंक खाते और यूपीआई आईडी की जानकारी जुटा रही है, जिसमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई। आरोपी तक पहुंचने के लिए साइबर सेल की मदद से ट्रैजिक्शन की पूरी ट्रेल खंगाली जा रही है।



Value & Variety

5000+ Styles

END OF SEASON

SALE

70% OFF

UPTO

ON LARGE VARIETY OF PRODUCTS

149 Men's Wear 149 Women's Wear 99 Kids' Wear 99 Lifestyle

Address -Visit now 1st & 2nd floor V2 Retail Limited City Mall Katni (M.P.)

हृदय रोग जाँच केन्द्र

- **सीने में दर्द**
- **बिना वजह पसीना आना**
- **सॉस फूलना**
- **बैचेनी और घबराहट रहना**
- **अत्यधिक थकान**

यदि निम्न में से कोई भी लक्षण आपके शरीर में है तो आपको **हृदय संबंधित जाँच** करवाना आवश्यक है

जैसे E.C.G (ई.सी.जी.)- हृदय गति की जाँच

ECHO CARDIO GRAPHY (इकोकार्डियोग्राफी)

हृदय आकार, कार्य क्षमता व हृदय मॉसपेशियों की जाँच

TMT (ट्रेड मिल टेस्ट)-हृदय धमनियों की प्राथमिक जाँच

नवजात व छोटे बच्चों के दिल में सुराख व दिल की बीमारीयों की जाँच की जाती है ।

+ सी.आर.एम.क्लीनिक +

पता- डॉ. शर्मा तिगहा, रूपलाल सोनी

मार्केट पुरानी बस्ती, आजाद चौक, कटनी (म.प्र.)

मो. 8826395999 - 07622-225824

डॉ. अभिषेक शर्मा

एम.बी.बी.एस. डिप्लोमा (), (के.जी.जे.सी.सी.)

हृदय एवं मधुमेह रोग चिकित्सक



जी.डी.मेमोरियल नर्सिंग कॉलेज

प्रवेश प्रारंभ

2026-27



जी.एन.एम. नर्सिंग कोर्स

सीमित सीटें

100 बेड मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल

अपने नर्सिंग के सपने को दें नई उड़ान

इन कॉलोनी, बरगवां, कटनी (म.प्र.)

संपर्क: 9630364578, 7620029783

समर्थ मार्बल एण्ड ग्रेनाइट

SAMARTH MARBLE AND GRANITE



टाइल्स, मार्बल, ग्रेनाइट

Size. Thickness. Finish. Quality

Quality Marble & Granite at Best Price

एल.आई.सी ऑफिस के सामने बरगवां, कटनी

Mob. 9425153498

JOHNSON DESIGNERS' CHOICE

Kajarla

METRO TILES